▸▸वर्ष : 34 ▸▸अंक : 331 ▸▸मुंबई, शनिवार, 7 फरवरी 2026 ▸▸RNI: MAHHIN/49994/91 ▸▸मूल्य : 3 रुपए ▸▸epaper.dobajedopahar.com ▸▸संपादक : अरुण लाल ▸▸संरक्षक : एन. के. पुरोहित

टीम इंडिया ने रिकॉर्ड छठी बार जीता U-19 वर्ल्ड कप

भारत ने फाइनल में इंग्लैंड को 100 रन से हराया

वैभव सूर्यवंशी ने फाइनल में ठोके 175 रन

DBD
दो बजे दोपहर

विश्व विजेता भारत...

एजेंसी । हरारे

भारत ने अंडर-19 विश्वकप का खिताब जीत लिया है। फाइनल में टीम इंडिया ने इंग्लैंड को 100 रन से हराया। यह टीम इंडिया का रिकॉर्ड छठा खिताब है। इससे पहले भारत ने 2000, 2008, 2012, 2018 और 2022 में अंडर-19 विश्व कप खिताब पर कब्जा जमाया था। भारत ने इंग्लैंड के सामने 412 रन का लक्ष्य रखा था। जवाब में इंग्लिश टीम 40.2 ओवर में 311 रन रन पर सिमट गई। टीम इंडिया के लिए वैभव सूर्यवंशी फाइनल के सुपरस्टार रहे। उन्होंने 80 गेंद में 175 रन की ताबड़तोड़ पारी खेली। वहीं, इंग्लैंड की ओर से कैलब फाल्कनर ने शतक जड़ा, लेकिन टीम को नहीं जिता पाए। फाल्कनर ने 67 गेंद पर 115 रन की पारी खेली।

भारत के अंडर-19 वर्ल्ड कप विनिंग कप्तान

- मोहम्मद कैफ, साल 2000
- विराट कोहली, साल 2008
- उनमुक्त चंद, साल 2012
- पृथ्वी शॉ, साल 2018
- यश ढुल, साल 2022
- आयुष म्हात्रे, साल 2026

भारत की पारी : वैभव सूर्यवंशी का तूफानी शतक

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने वैभव सूर्यवंशी की विस्फोटक 175 रनों की पारी की बदौलत विशाल स्कोर खड़ा किया। वैभव ने मात्र 55 गेंद में शतक और 80 गेंद में 15 चौकों व 15 छक्कों की मदद से 175 रन बनाए। कप्तान आयुष म्हात्रे (53) के साथ उनकी 142 रनों की साझेदारी ने मैच का रुख बदल दिया। मध्यक्रम में अभिज्ञान कुंडू (40) और कनिष्क चौहान (नाबाद 37) के योगदान से भारत ने मजबूत स्थिति बनाई, जबकि इंग्लैंड की ओर से जेम्स मिंटो ने सर्वाधिक तीन विकेट चटकाए।

भारत ने की रिकॉर्ड्स की बरसात

- 100 रन से जीत अंडर 19 विश्व कप फाइनल में रनों के अंतर से सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले यह रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया के नाम था। उन्होंने 2024 में भारत को 79 रन से हराया था।
- वहीं, 411 रन का स्कोर अंडर-19 विश्व कप और अंडर-19 विश्व कप फाइनल का सबसे बड़ा स्कोर रहा। अंडर-19 विश्व कप में सबसे बड़े स्कोर के मामले में भारत ने इंग्लैंड का ही रिकॉर्ड तोड़ा। इंग्लैंड ने इसी विश्व कप में स्कॉटलैंड के खिलाफ छह विकेट पर 404 रन बनाए थे।
- भारत अंडर-19 विश्व कप के प्लेऑफ मुकाबले में 350 से ज्यादा रन बनाने वाली पहली टीम बन गई। इससे पहले भी यह रिकॉर्ड भारत के ही नाम था। 2016 क्वार्टरफाइनल में नामीबिया के खिलाफ 349/6 रन बनाए थे, जब ऋषभ पंत ने 96 गेंदों में 111 रन की धमाकेदार पारी खेली थी।
- अंडर-19 विश्व कप फाइनल में इससे पहले सबसे बड़ा स्कोर ऑस्ट्रेलिया का 253/7 था, जो उसने 2024 में भारत के खिलाफ बनाया था। भारत ने इस बार उस रिकॉर्ड को भी काफी पीछे छोड़ दिया।
- यह भारत का अंडर-19 विश्व कप में तीसरा 400+ स्कोर है। दिलचस्प बात यह है कि दुनिया की किसी और टीम ने इस टूर्नामेंट में एक से ज्यादा बार 400 रन का आंकड़ा नहीं छुआ।

इंग्लैंड की पारी: फाल्कनर का शतक गया बेकार

लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड की टीम भारतीय गेंदबाजी के सामने संघर्ष करती नजर आई। बेन डॉकिंस (66) और बेन मायेस (45) ने पारी को संभालने की कोशिश की, लेकिन मध्यक्रम के सस्ते में ढहने से टीम पिछड़ गई। निचले क्रम में कैलब फाल्कनर ने 67 गेंद में 115 रनों की जुझारू शतकीय पारी खेली, लेकिन वह टीम को जीत नहीं दिला सके। भारत की ओर से आरएस अंबरीश ने तीन, जबकि दीपेश देवेंद्रन और कनिष्क चौहान ने दो-दो विकेट लेकर इंग्लैंड की पारी को समेट दिया और भारत को शानदार जीत दिलाई।

ज़िला परिषद और पंचायत समितियों का चुनाव आज

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र में 12 जिला परिषदों और 125 पंचायत समितियों के चुनाव शनिवार को होंगे। राज्य निर्वाचन आयोग (एसईसी) ने कहा कि शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त व्यवस्था की गई है। इसमें पुलिस की तैनाती भी शामिल है। राज्य में अधिकांश स्थानीय निकायों के चुनाव 2022 से लंबित थे।

12 जिला परिषदों की 731 सीटों में से 369 महिलाओं के लिए आरक्षित

125 पंचायत समितियों की 1,462 सीटों में से 731 महिलाओं के लिए आरक्षित

किन जिलों में होंगे चुनाव?

आयोग ने बताया कि 731 जिला परिषदों और पंचायत समिति की 1,462 सीटों के लिए कुल 7,438 उम्मीदवार चुनावी मैदान में हैं। चुनाव रायगढ़, रत्नागिरी, सिंधुदुर्ग, पुणे, सतारा, सांगली, सोलापुर, कोल्हापुर, छत्रपति संभाजीनगर, परभणी, धाराशिव और लातूर जिलों में होंगे।

जिला परिषदों और पंचायत समितियों की कितनी सीटें आरक्षित?

जिला परिषदों की 731 सीटों में से 369 महिलाओं के लिए आरक्षित हैं। इसके अलावा, 83 सीटें अनुसूचित जातियों, 25 अनुसूचित जनजातियों और 191 अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षित हैं आरक्षित सीटों पर कुल 2,624 उम्मीदवार चुनाव में हैं। पंचायत समिति की 1,462 सीटों में से 731 महिलाओं के लिए आरक्षित हैं। अनुसूचित जाति के लिए 166, अनुसूचित जनजाति के लिए 38 और अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए 342 सीटें आरक्षित हैं। पंचायत समिति चुनावों में कुल 4,814 उम्मीदवार मैदान में हैं।

चुनाव में देरी क्यों हुई?

मतदान पहले पांच फरवरी को होना था। लेकिन 28 जनवरी विमान हादसे में उपमुख्यमंत्री अजित पवार के निधन और इसके बाद तीन दिन के राजकीय शोक की घोषणा के कारण इसे स्थगित किया गया। मतदान शनिवार सुबह साढ़े सात बजे शुरू होगा और शाम साढ़े पांच बजे तक चलेगा। मतगणना नौ फरवरी की सुबह दस बजे शुरू होगी। इसके बाद आदर्श आचार संहिता हटा दी जाएगी।

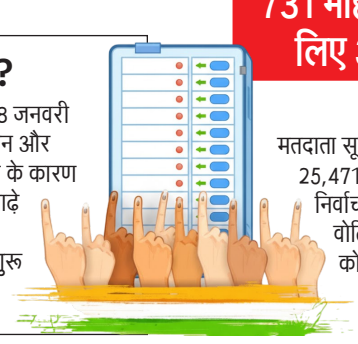

कुल कितने पुरुष और महिलाएं मतदाता?

मतदाता सूची में 1,06,33,269 पुरुष, 1,01,86,965 महिलाएं और 468 अन्य श्रेणी के मतदाता शामिल हैं। राज्यभर में कुल 25,471 मतदान केंद्र स्थापित किए गए हैं। चुनाव ड्यूटी के लिए लगभग 1.28 लाख कर्मियों को तैनात किया गया है, जिसमें 125 निर्वाचन अधिकारी और 125 सहायक निर्वाचन अधिकारी शामिल हैं। राज्य निर्वाचन आयोग ने पर्याप्त संख्या में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनें (ईवीएम) उपलब्ध कराई हैं, जिसमें 51,537 कंट्रोल यूनिट और 1,10,329 बैलट यूनिट शामिल हैं। अधिकारियों को मतदान प्रक्रिया संभालने के लिए प्रशिक्षित किया गया है। प्रत्येक मतदाता दो वोट डालेगा- एक जिला परिषद और एक पंचायत समिति क्षेत्र के लिए। जिला परिषद का बैलट सफेद बैलट यूनिट पर होगा, जबकि पंचायत समिति का बैलट गुलाबी बैलट यूनिट पर होगा।

सीबीआई कोर्ट ने मेहुल चोकसी की याचिका खारिज की

एजेंसी । नई दिल्ली

सीबीआई की एक विशेष अदालत ने 55 करोड़ रुपये के बैंक धोखाधड़ी मामले में फरार हीरा कारोबारी मेहुल चोकसी को बड़ा झटका दिया है। अदालत ने चोकसी की उस याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें उसने पिछले साल जारी किए गए अदालती समन को चुनौती दी थी। विशेष सीबीआई जज जेपी डारेकर ने मामले की सुनवाई करते हुए स्पष्ट किया कि समन जारी करने का आदेश पूरी तरह से कानूनी है और इसमें किसी भी प्रकार के हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं है।

आरोपपत्र में स्पष्ट आरोपियों की भूमिका

वहीं, सीबीआई की ओर से विशेष लोक अभियोजक ए. लिमोसिन ने अदालत को बताया कि केनरा बैंक से जुड़े इस धोखाधड़ी मामले में हर आरोपी की भूमिका का विस्तार से उल्लेख किया गया है। अप्रैल 2025 में दाखिल इस आरोपपत्र के आधार पर ही चोकसी और गीतांजलि ग्रुप के दो पूर्व कर्मियों, विपुल चितलिया और अनियाथ नायर को समन जारी किए गए थे।

समन आदेश को चोकसी ने बताया था 'गैरकानूनी'

मेहुल चोकसी की ओर से पेश अधिवक्ताओं ने अदालत में तर्क दिया था कि निचली अदालत ने जिस दिन सीबीआई ने आरोपपत्र दाखिल किया, उसी दिन बिना सोचे-समझे समन जारी कर दिए। याचिका में दावा किया गया था कि आरोपपत्र का ठीक से अध्ययन नहीं किया गया और आरोपियों की भूमिका स्पष्ट किए बिना ही यह आदेश 'यांत्रिक' तरीके से पारित कर दिया गया। हालांकि, अदालत ने इन तर्कों को अमान्य घोषित करते हुए कहा कि समन जारी करने की प्रक्रिया में कोई भी अनौपचारिकता या त्रुटि नहीं पाई गई है।

ब्रीफ न्यूज़

माझगांव कोर्ट में पेश हुए संजय राउत

मुंबई। माझगांव कोर्ट में केंद्रीय मंत्री नारायण राणे के खिलाफ दायर मानहानि मामले में शुक्रवार (6 फरवरी) को सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान ठाकरे गुट के सांसद संजय राउत अदालत में मौजूद रहे। उनकी गवाही दर्ज करने की प्रक्रिया भी शुरू हो चुकी है। संजय राउत की ओर से वकील सार्थक शेट्टी कोर्ट में पेश हुए। अदालत में अपने बयान के दौरान संजय राउत ने कहा कि वह पिछले 35 वर्षों से दैनिक सामना अखबार के संपादक हैं और वर्ष 2004 से राज्यसभा के सदस्य हैं। उन्होंने बताया कि एक संपादक और राजनीतिक नेता के रूप में उन्हें महाराष्ट्र सहित पूरे देश में पहचान और प्रतिष्ठा मिली है। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने कोर्ट में कहा कि शिवसेना प्रमुख बालासाहेब ठाकरे से उनका 40 साल पुराना निकट संबंध रहा है और उनके प्रति प्रेम व श्रद्धा के कारण उन्होंने कई किताबें लिखी हैं।

छत्रपति संभाजीनगर में मेयर पद के लिए सफाईकर्मी नामांकित

छत्रपति संभाजीनगर। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन ने शुक्रवार को छत्रपति संभाजीनगर नगर निगम में मेयर पद के लिए एक सफाई कर्मचारी से पार्षद बने अशोक हिरवाले को मैदान में उतारा। अन्य पार्टियों से अनुसूचित जातियों के प्रति अपना प्यार दिखाने के लिए उनका समर्थन करने को कहा। 15 जनवरी को 115 सदस्यीय नगर निकाय के चुनावों में, भाजपा 57 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी, उसके बाद एआईएमआईएम ने 33 सीटें हासिल कीं। एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना केवल 13 सीटें जीत सकी, जबकि शिवसेना यूबीटी और वंचित बहुजन अघाड़ी को क्रमशः छह और चार सीटें मिलीं। भाजपा और एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने मेयर पद के लिए समीर राजुरकर को मैदान में उतारा है।

मुल्तानी बेकरी के मालिक ने की आत्महत्या

▸▸घटना के वीडियो ने दिल दहलाया

डीबीडी संवाददाता । सोलापुर

सोलापुर जिले की मशहूर मुल्तानी बेकरी के 59 वर्षीय मालिक ने इमारत की 17वीं मंजिल से कूदकर जान दे दी। मृतक की पहचान सुनील सदारंगानी के रूप में हुई है। वे दोपहर को विजयपुर रोड स्थित पनाश अपार्टमेंट गए थे और यहीं 17वीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। बीजापुर नाका पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। सदारंगानी इमारत में दाखिल हुए और लिफ्ट की जगह सीढ़ियों से छत पर पहुंचे। तभी उनको कुछ लोगों ने छत पर खड़े होकर हाथ जोड़ते और लेटकर नीचे गिरने की कोशिश करते देखा।

आर्थिक तंगी से जूझ रहे थे सदारंगानी

सकाल वेबसाइट के मुताबिक, सदारंगानी पुणे में रहते थे और कुछ दिन पहले पत्नी के साथ सोलापुर आए थे। उनका एक बेटा अमेरिका में और दूसरा पुणे में कारोबारी है। सदारंगानी कभी सोलापुर की मशहूर मुल्तानी बेकरी के मालिक थे, जो अब नहीं चलती। वे आर्थिक तंगी से जूझ रहे थे और मनोचिकित्सक से इलाज करा रहे थे। पुलिस का कहना है कि उनके पास से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। कारणों की जांच जारी है।

सोलापुर नगर निगम में भाजपा ने मेयर की सीट जीती

सोलापुर। भाजपा के पार्षद विनायक कोंड्याल और ज्ञानेश्वरी देवकर शुक्रवार को सोलापुर के मेयर और डिप्टी मेयर के तौर पर निर्विरोध चुने गए। शिवसेना के प्रियदर्शन साठे और एआईएमआईएम के तौफीक हाटुरे ने आखिरी समय में अपना नामांकन वापस ले लिया, जिसके बाद पीठासीन अधिकारी ने चुनाव को निर्विरोध घोषित कर दिया। नगर निकाय की 102 सीटों में से भाजपा ने 15 जनवरी को हुए चुनावों में 87 सीटें जीतीं थी, एआईएमआईएम ने आठ सीटें जीतीं। शिवसेना को चार, जबकि कांग्रेस ने दो और एनसीपी ने एक सीट जीती है।

आज हो सकता है बीजेपी मेयर कैंडिडेट का ऐलान

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

बीएमसी चुनावों में ऐतिहासिक सफलता के बाद भारतीय जनता पार्टी अब मुंबई में अपना पहला मेयर बनाने की निर्णायक दहलीज पर है। शनिवार को म्युनिसिपल मुख्यालय में भाजपा के नवनिर्वाचित पार्षदों की एक अहम बैठक बुलाई गई है, जिसमें मेयर पद के उम्मीदवार के नाम पर अंतिम मुहर लगाई जाएगी। मुंबई भाजपा अध्यक्ष अमित साटम की अध्यक्षता में होने वाली इस बैठक में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के 'मराठी, हिंदू और विकासोन्मुखी' मेयर के विजन को ध्यान में रखते हुए उम्मीदवार का चयन किया जाएगा।

आरक्षण के चलते महिला चेहरे पर दांव : रेस में ये नाम सबसे आगे

इस बार मुंबई मेयर का पद 'सामान्य महिला श्रेणी' के लिए आरक्षित किया गया है, जिसके चलते पार्टी के भीतर अनुभवी महिला पार्षदों को लेकर सुगबुगाहट तेज है। सूत्रों के अनुसार, राजश्री शिरवडकर, शीतल गंभीर देसाई और रितु तावड़े के नाम इस प्रतिष्ठित पद की रेस में सबसे आगे चल रहे हैं।

बहुमत का गणित : 45 साल बाद बीएमसी में भाजपा का परचम

बीएमसी के 45 साल के इतिहास में यह पहली बार है जब भाजपा 89 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी है। महायुति गठबंधन (भाजपा और एकनाथ शिंदे नीत शिवसेना) के पास कुल 118 सीटें हैं, जो 114 के बहुमत के आंकड़े से कहीं अधिक है। शिंदे गुट की 29 सीटों के समर्थन से भाजपा का मेयर बनना अब महज एक औपचारिकता रह गया है। गठबंधन के बीच हुए समझौते के तहत भाजपा को मेयर और स्थायी समिति का पद मिलने की संभावना है, जबकि शिवसेना (शिंदे) को डिप्टी मेयर और अन्य महत्वपूर्ण समितियों की जिम्मेदारी दी जा सकती है।

मैक-8 की रफ्तार से दुश्मनों का करेगी नाश

बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि-3 का सफल परीक्षण

एजेंसी । चांदीपुर

भारत ने शुक्रवार, 6 फरवरी को इंटरमीडिएट रेंज बैलिस्टिक मिसाइल (IRBM) अग्नि-3 का सफल टेस्ट किया है। यह परीक्षण ओडिशा के चांदीपुर स्थित इंटीग्रेटेड टेस्ट रेंज (ITR) से किया गया। जहां स्ट्रैटेजिक फोर्सेज कमांड ने मिसाइल को लॉन्च किया। रक्षा सूत्रों के मुताबिक टेस्ट में तय क्षमता के हिसाब से मिसाइल की सभी ऑपरेशनल और टेक्निकल पैरामीटर पूरी तरह सटीक पाए गए। DRDO द्वारा बनाया गया अग्नि-3 भारत की सबसे घातक मिसाइलों में से एक है। इसके सफल टेस्ट को भारत की न्यूक्लियर डिटरेंस यानी परमाणु प्रतिरोधक क्षमता के लिए बड़ा कदम माना जा रहा है। अग्नि-3 की रेंज ऐसी है कि पाकिस्तान का लगभग पूरा इलाका इसकी जद में आता है। वहीं चीन के भी कई बडे.शहरों तक इसकी पहुंच मानी जा रही है।

अग्नि-3 का पहली बार टेस्ट कब हुआ?

अग्नि-3 का पहली बार परीक्षण 2006 में किया गया था। इसके बाद से यह कई बार सफलतापूर्वक टेस्ट की जा चुकी है। भले ही यह अग्नि-4 और अग्नि-5 के मुकाबले कम दूरी की मिसाइल हो। लेकिन रणनीतिक लिहाज से इसे बेहद प्रभावी माना जाता है। भारत ने एक बार फिर दिखा दिया कि उसकी मिसाइल तकनीक भरोसेमंद, सटीक और पूरी तरह ऑपरेशनल है।

अग्नि-3 मिसाइल की खासियत क्या है?

अग्नि-3 एक दो-चरणीय ठोस ईंधन से चलने वाली बैलिस्टिक मिसाइल है। यह परमाणु और पारंपरिक दोनों तरह के वॉरहेड ले जाने में सक्षम है। इसकी अधिकतम पेलोड क्षमता करीब 1।5 टन बताई जाती है। अग्नि-3 की अधिकतम रेंज करीब 3500 किलोमीटर मानी जाती है। जबकि अब तक इसका सफल परीक्षण 3000 से 3200 किलोमीटर की दूरी तक किया गया है। मिसाइल की लंबाई लगभग 17 मीटर है। इसका वजन करीब 48 से 50 टन है। यह मैक-7 से मैक-8 की रफ्तार से उड़ान भर सकती है। इसकी टार्गेट को हिट करने की क्षमता बहुत ही सटीक है। जिसका सर्कुलर एरर प्रोबेबल (CEP) 40 मीटर से कम बताया जाता है।

25 लाख का इनामी नक्सली प्रभाकर ढेर

तीन महिलाओं समेत 7 माओवादी मारे गए

एजेंसी । गढ़चिरौली

महाराष्ट्र के नक्सल प्रभावित गडचिरोली जिले में सुरक्षाबलों को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस के साथ हुई एक मुठभेड़ में तेलंगाना का कुख्यात नक्सली प्रभाकर, जिस पर 25 लाख रुपये का इनाम घोषित था, मारा गया। पुलिस के अनुसार, इस कार्रवाई में कुल सात नक्सली ढेर किए गए हैं। पुलिस ने बताया कि प्रभाकर नक्सली संगठन का शीर्ष कैडर नेता था और महाराष्ट्र-तेलंगाना सीमा पर माओवादी गतिविधियों को अंजाम देने में अहम भूमिका रही है।

तीन दिन से चल रहा था ऑपरेशन

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच यह मुठभेड़ पिछले तीन दिनों से चल रही थी। जंगलों में चलाए गए व्यापक तलाशी और घेराबंदी अभियान के दौरान नक्सलियों ने सुरक्षाबलों पर फायरिंग की, जिसके जवाब में की गई कार्रवाई में सात माओवादी मारे गए।

सायन रेलवे ओवरब्रिज जुलाई तक होगा शुरू

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मध्य मुंबई के व्यस्त इलाकों को जोड़ने वाला सायन रेलवे ओवरब्रिज (ROB) जुलाई 2026 तक पूरी तरह चालू हो जाएगा। बृहन्मुंबई नगर निगम (BMC) और मध्य रेलवे द्वारा संयुक्त रूप से बनाया जा रहा यह पुल ईस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे (EEH) और लाल बहादुर शास्त्री (LBS) मार्ग के बीच कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। 112 साल पुराने असुरक्षित ढांचे के स्थान पर बन रहा यह नया ब्रिज आधुनिक सुविधाओं और अधिक क्षमता से लैस होगा।

अगस्त 2024 में पुराने पुल को ध्वस्त करने के लिए बंद कर दिया गया था। हालांकि, शुरुआती दौर में शौचालय ब्लॉकों और बिजली घरों जैसे अतिक्रमणों के कारण काम में देरी हुई, लेकिन अब निर्माण कार्य पूरी गति से चल रहा है। अतिरिक्त नगर आयुक्त (परियोजना) अभिजीत बांगर के अनुसार, मुख्य गर्डर लॉन्चिंग का काम मार्च और अप्रैल 2026 में पूरा कर लिया जाएगा। रेलवे सीमा के भीतर का काम 15 मई 2026 तक समाप्त होने की उम्मीद है, जिसके बाद पहुंच मार्गों (Approach Roads) का अंतिम कार्य पूरा कर इसे जुलाई के मध्य तक जनता के लिए खोल दिया जाएगा।

नये ब्रिज की मुख्य विशेषताएं

नया सायन ब्रिज पुराने पुल की तुलना में अधिक लंबा और चौड़ा होगा। नया पुल 61 मीटर लंबा होगा (पुराना 40 मीटर था) और इसमें यातायात के सुचारू प्रवाह के लिए चार लेन होंगी। पैदल यात्रियों के लिए सुविधा: सायन स्टेशन आने-जाने वाले लोगों के लिए एक समर्पित फुटपाथ बनाया गया है। ट्रैफिक और पैदल यात्रियों की आवाजाही को आसान बनाने के लिए दो अंडरपास बनाए जा रहे हैं। एलबीएस मार्ग वाला अंडरपास जल्द ही चालू होने की संभावना है।

आम जनता को मिलेगी राहत

सायन ब्रिज का बंद होना स्थानीय निवासियों, विशेषकर धारावी और सायन के लोगों के लिए एक बड़ी चुनौती रहा है। इस पुल के तैयार होने से न केवल ट्रैफिक जाम से मुक्ति मिलेगी, बल्कि छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (CSMT) और कुर्ला के बीच पांचवीं और छठी रेलवे लाइन बिछाने का रास्ता भी साफ हो जाएगा।

नाशिक-त्र्यंबकेश्वर क्षेत्र में रेल बुनियादी ढांचे का कायाकल्प

सिंहस्थ कुंभ 2027

डीबीडी संवाददाता । भुसावल

मध्य रेल के भुसावल मंडल ने वर्ष 2027 में आयोजित होने वाले सिंहस्थ कुंभ मेले की तैयारियों को लेकर अपनी कमर कस ली है। आगामी कुंभ में 2 से 3 करोड़ श्रद्धालुओं के आने के अनुमान को देखते हुए—जो 2015 की तुलना में लगभग 50 गुना अधिक है—प्रशासन नाशिक, देवलाली, ओढा और खेरवाड़ी जैसे प्रमुख स्टेशनों पर युद्ध स्तर पर अवसंरचना विकास कार्य कर रहा है। इस एकीकृत योजना का मुख्य उद्देश्य यात्री वहन क्षमता में वृद्धि, सिग्नलिंग प्रणाली को आधुनिक बनाना और ट्रेनों के सुचारु परिचालन के लिए यार्ड लेआउट को मजबूत करना है, ताकि तीर्थयात्रियों को सुरक्षित एवं कुशल परिवहन सुविधा मिल सके। योजना के सफल कार्यान्वयन के लिए देवलाली और नाशिक रोड जैसे स्टेशनों पर यार्ड रिमॉडलिंग और इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग (EI) के कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है। देवलाली स्टेशन पर ट्रेनों की स्टेबलिंग और रखरखाव सुविधाओं के लिए अर्थवर्क का काम

तेजी से चल रहा है, जबकि मनमाड-इगतपुरी खंड में स्वचालित ब्लॉक सिग्नलिंग (ABS) प्रणाली स्थापित की जा रही है। रेलवे भूमि से अतिक्रमणों को हटाकर निर्माण कार्य के लिए मार्ग प्रशस्त कर दिया गया है। इसके अतिरिक्त, ओढा स्टेशन पर निर्माण संगठन द्वारा ट्रैक फॉर्मेशन और ओएचई (OHE) संबंधी कार्य चरणबद्ध तरीके से पूरे किए जा रहे हैं, जिन्हें दूसरे चरण में कमीशन किया जाएगा।

भीड़ प्रबंधन हेतु होल्डिंग एरिया और यात्री सुविधाओं का विस्तार

अभूतपूर्व भीड़ को नियंत्रित करने के लिए नाशिक रोड और खेरवाड़ी स्टेशनों पर व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं। नाशिक रोड स्टेशन पर प्लेटफॉर्म संख्या 4 का विस्तार और नए फुट ओवर ब्रिज (FOB) का निर्माण कार्य प्रगति पर है, जिसके गर्डर बनाने का काम मनमाड वर्कशॉप को सौंपा गया है। खेरवाड़ी में यात्रियों के लिए उच्च स्तरीय जल टैंक और समर्पित होल्डिंग एरिया का निर्माण पूरा हो चुका है। प्रशासन राज्य सरकार के साथ मिलकर स्टेशन परिसरों के बाहर स्थायी होल्डिंग एरिया विकसित कर रहा है, ताकि मुख्य स्टेशनों पर अचानक बढ़ने वाले दबाव को नियंत्रित कर सुव्यवस्थित भीड़ प्रबंधन सुनिश्चित किया जा सके।

पानी बिल बकाया पर मनपा की सख्त कार्रवाई

15 दिनों में 9.88 करोड़ वसूले गए

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

मनपा क्षेत्र में पानी बिल बकाया रखने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पिछले 15 दिनों में, यानी 20 जनवरी से 5 फरवरी के बीच प्रभागवार चलाए गए अभियान में मनपा ने 9 करोड़ 88 लाख 14 हजार 345 रुपए की वसूली की है। इस दौरान जल आपूर्ति विभाग ने बकाया रहने पर पानी के कनेक्शन काटने, नोटिस जारी करने, पंप जब्त करने और पंप रूम सील करने जैसे सख्त कदम उठाए हैं। विभाग के अनुसार यह अभियान मनपा आयुक्त सौरभ राव के निर्देशों पर चलाया जा रहा है और आगे भी जारी रहेगा।

प्रभागवार कार्रवाई में 1,074 कनेक्शन काटे गए

अभियान के तहत दिवा में 313 पानी के कनेक्शन काटे गए, 21 पंप जब्त किए गए, 34 पंप रूम सील किए गए और 324 लोगों को नोटिस दिए गए। मुंब्रा में 236 कनेक्शन काटे गए, 181 पंप जब्त हुए, 41 पंप रूम सील किए गए और 3,736 नोटिस जारी किए गए, जबकि नौपाड़ा-कोपरी में 245 कनेक्शन काटकर 370 लोगों को नोटिस दिए गए। इसके अलावा कलवा में 70, लोकमान्य सावरकरनगर में 134, उथलसर में 71, वर्तकनगर में 4 और वागले प्रभाग में 1 पानी का कनेक्शन काटा गया। कुल मिलाकर 1,074 पानी के कनेक्शन काटे गए, 202 पंप जब्त किए गए, 75 पंप रूम सील किए गए और 5,056 लोगों को नोटिस जारी किए गए हैं।

भिवंडी में बीजेपी का महापौर तय: सावंत

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

भिवंडी-निज़ामपुर शहर महानगर-पालिका में महापौर पद को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने अपना रुख साफ कर दिया है। बीजेपी भिवंडी शहर अध्यक्ष रवि सावंत ने दावा किया है कि आगामी महापौर भाजपा का ही होगा और पार्टी बहुमत के आंकड़े के करीब पहुंच चुकी है। उन्होंने कहा कि भाजपा नगर में विकास को प्राथमिकता देते हुए नेतृत्व करने के लिए पूरी तरह तैयार है। बीजेपी अध्यक्ष रवि सावंत ने कहा कि उम्मीदवार चयन के बाद सुमित पाटिल ने पार्टी के फैसले को स्वीकार करते हुए

पूरा समर्थन देने का भरोसा दिया है। उन्होंने बताया कि फिलहाल शिवसेना और भाजपा के कुल 36 नगरसेवक साथ हैं, जबकि विकास के मुद्दों को लेकर छोटे दलों के नगरसेवक भी समर्थन देने को तैयार हैं। ऐसे में भाजपा ने भिवंडी-निज़ामपुर महानगरपालिका में अपना महापौर चुने जाने का भरोसा जताया है।

नारायण चौधरी को मिला प्रदेश समिति का समर्थन

रवि सावंत ने बताया कि मनपा चुनाव के बाद पार्टी की प्रक्रिया के तहत महापौर पद के लिए नगरसेवकों से आवेदन मंगाए गए थे, जिसमें नारायण चौधरी और सुमित पाटिल ने आवेदन किया था। पार्टी परंपरा के अनुसार दोनों नाम महाराष्ट्र प्रदेश समिति को भेजे गए। प्रदेश समिति से प्राप्त पत्र में नारायण चौधरी के नाम पर महापौर पद के उम्मीदवार के रूप में मुहर लगी है। यह पत्र प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण के हस्ताक्षर से जारी हुआ है और सार्वजनिक रूप से साझा भी किया गया है।

पुलिस बनकर व्यापारी से 13 लाख रुपए की लूट

डीबीडी संवाददाता । नवी मुंबई

नवी मुंबई क्राइम ब्रांच की सेंट्रल यूनिट ने पुलिस बनकर सांगली के एक शुगर व्यापारी से 13.2 लाख रुपए लूटने वाले 9 सदस्यीय गिरोह का पर्दाफाश करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह वारदात 12 जनवरी को खारघर इलाके में हुई थी। क्राइम ब्रांच के सब-इंस्पेक्टर सुनील शिंदे के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान विशाल तुपे (35, घनसोली), रोहित शेलार (26, सातारा) और मनोज भंडारी (37,

तीन गिरफ्तार, 6 हुए फरार

कल्याण) के रूप में हुई है, जिन्हें 26 और 27 जनवरी को घनसोली और बेलापुर से पकड़ा गया।

मुख्य आरोपी पर पहले से कई मामले दर्ज

घटना के बाद व्यापारी को ठगी का अहसास हुआ और उन्होंने खारघर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। जांच में सामने आया कि गिरफ्तार आरोपी विशाल तुपे के खिलाफ 2020 से 2023 के बीच गोवंडी, सानपाडा, पनवेल सिटी, विक्रोली, भिवंडी और खारघर थानों में कुल छह आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस अब गिरोह के अन्य फरार आरोपियों की तलाश में जुटी है।

सस्ते सोने का झांसा देकर रची गई साजिश

पुलिस के मुताबिक, सितंबर 2025 में आरोपियों ने सांगली निवासी शुगर व्यापारी मनीष शिंदे (56) से संपर्क कर सस्ते दामों पर सोना बेचने का लालच दिया था। शुरुआत में 100 ग्राम सोने की डील तय हुई और डिजिटल पेमेंट में दिक्कत का बहाना बनाकर व्यापारी को नकद रकम लाने को कहा गया। 6 जनवरी की शाम करीब 5:30 बजे तय स्थान पर पहुंचते ही एक एमयूवी गाड़ी से छह लोग पुलिस बनकर आए, रेड का नाटक किया, मारपीट की और 13.2 लाख रुपए नकद लूटकर फरार हो गए।

एम्बुलेंस ने बीच रास्ते में छोड़ा शव

डीबीडी संवाददाता । पालघर

पालघर जिले में एक निजी एम्बुलेंस द्वारा मरीज का शव बीच रास्ते में छोड़ देने का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। एम्बुलेंस चालक ने आगे जाने से इनकार कर दिया, जिसके चलते परिजनों को मजबूरन शव को कपड़े की झोली बनाकर उसमें रखकर पैदल घर ले जाना पड़ा। इस अमानवीय घटना से पूरे इलाके में आक्रोश फैल गया है। पालघर जिला परिषद की ओर से जारी विज्ञप्ति में कहा गया है कि एम्बुलेंस चालक का यह दावा गलत है कि गांव तक जाने वाली सड़क खराब होने के कारण वाहन नहीं जा सकता। परिषद के अनुसार, तिलोंडा मुख्य सड़क से अंबेपाड़ा गांव तक 1.8 किलोमीटर लंबी सड़क 2024-25 में पूरी हो

परिजनों को मजबूरन झोली में ले जाना पड़ा

चुकी है, जिस पर जीप और पिक-अप वैन जैसे वाहन नियमित रूप से चलते हैं।

विज्ञप्ति के मुताबिक, सांस लेने में तकलीफ और आंतरिक रक्तस्राव से पीड़ित शैलेश मगन वागदादा को 3 फरवरी को वेदांता मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उसी शाम उनकी मौत हो गई। शव को घर ले जाने के लिए अस्पताल की एम्बुलेंस का इस्तेमाल किया गया।

आईटी नियमों के संशोधन को कुणाल कामरा ने दी हाई कोर्ट में चुनौती

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

स्टैंड-अप कॉमेडियन कुणाल कामरा ने 'सहयोग पोर्टल' और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) नियम, 2021 के नियम 3(1)(डी) में वर्ष 2025 में किए गए संशोधन की संवैधानिक वैधता को बॉम्बे हाई कोर्ट में चुनौती दी है। याचिका में उन प्रावधानों पर सवाल उठाए गए हैं, जिनके तहत सोशल मीडिया पर डाले गए कंटेंट को ब्लॉक किया जा सकता है।

कुणाल कामरा की याचिका में कहा गया है कि 'सहयोग पोर्टल' एक समानांतर कंटेंट-ब्लॉकिंग ढांचा तैयार करता है, जो आईटी अधिनियम, 2000 की धारा 69ए के तहत निर्धारित अनिवार्य प्रक्रियात्मक सुरक्षा

उपायों को दरकिनार करता है। याचिका के अनुसार, इस पोर्टल के जरिए उपयोगकर्ता को पूर्व सूचना दिए बिना ही ऑनलाइन कंटेंट को ब्लॉक किया जा सकता है, जो प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का उल्लंघन है।

याचिका में तर्क दिया गया है कि नियम 3(1)(डी) और सहयोग पोर्टल, सुप्रीम कोर्ट के श्रेयासिंघल बनाम भारत संघ मामले में दिए गए फैसले के विपरीत हैं। कामरा का कहना है कि यह व्यवस्था आईटी अधिनियम की धारा 69ए और उससे जुड़े ब्लॉकिंग नियमों के समानांतर एक टेकडाउन मैकेनिज़्म बनाती है, जिसमें कानूनी रूप से अनिवार्य सुरक्षा प्रावधान शामिल नहीं हैं, जिससे यह पूरी तरह मनमाना हो जाता है।

अभिव्यक्ति और व्यवसाय की स्वतंत्रता का उल्लंघन

याचिकाकर्ता की ओर से वकील आरती राघवन कामरा ने दलील दी है कि नियम 3(1)(डी) और सहयोग पोर्टल संविधान के अनुच्छेद 19(1)(ए) (अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता) और 19(1)(जी) (व्यवसाय की स्वतंत्रता) का गंभीर उल्लंघन करते हैं। साथ ही यह भी कहा गया है कि ये प्रावधान अनुच्छेद 19(2) और 19(6) में दिए गए वैधानिक अपवादों के दायरे में नहीं आते।

राज्य सरकारों को अधिकार देने पर भी सवाल

याचिका में संविधान की सातवीं अनुसूची की सूची-1 का हवाला देते हुए कहा गया है कि सूचना ब्लॉकिंग ऑर्डर जारी करने की शक्ति राज्य सरकारों या उनके विभागों को नहीं सौंपी जा सकती। वरिष्ठ अधिवक्ता हरेश जगतियानी ने भी बॉम्बे हाई कोर्ट में एक अलग याचिका दायर कर सहयोग पोर्टल और संशोधित नियम 3(1)(डी) को चुनौती दी है। उनकी याचिका में भी इसी तरह की संवैधानिक चिंताएं उठाई गई हैं। बॉम्बे हाई कोर्ट ने इन याचिकाओं पर अगली सुनवाई 16 मार्च को तय की है। अदालत में इस मामले को लेकर अहम संवैधानिक बहस होने की संभावना है, खासकर ऑनलाइन कंटेंट रेगुलेशन और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के संदर्भ में।

संदेह के आधार पर सजा नहीं दी जा सकती: कोर्ट

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

बॉम्बे हाई कोर्ट ने प्रेमिका की हत्या के मामले में एक अहम फैसला सुनाते हुए कहा है कि किसी भी आरोपी को केवल संदेह के आधार पर दोषी नहीं ठहराया जा सकता। अदालत ने स्पष्ट किया कि संदेह चाहे कितना भी मजबूत क्यों न हो, वह 'उचित संदेह से परे' साबित किए गए सबूतों का स्थान नहीं ले सकता। न्यायमूर्ति मनीष पितले और न्यायमूर्ति श्रीराम वी. शिरसाट की पीठ ने 47 वर्षीय अशोक शंकर म्हात्रे की याचिका स्वीकार करते हुए निचली अदालत द्वारा सुनाई गई आजीवन कारावास की सजा को रद्द कर दिया और उसे सभी आरोपों से बरी कर दिया।

परिस्थितिजन्य सबूतों की कड़ियां साबित नहीं हुईं

हाई कोर्ट ने कहा कि जब तक आरोपों को स्पष्ट, ठोस, विश्वसनीय और निर्विवाद सबूतों के आधार पर उचित संदेह से परे साबित नहीं किया जाता, तब तक किसी को दोषी ठहराने या दंडित करने का सवाल ही नहीं उठता। अदालत ने टिप्पणी की कि अपराध भले ही भयानक हो और मानवीय विवेक को झकझोरने वाला हो, लेकिन सजा केवल कानूनी सबूतों के आधार पर ही दी जा सकती है। पीठ ने कहा कि परिस्थितिजन्य सबूतों पर आधारित मामलों में अभियोजन को सभी कड़ियों को विधिवत साबित करना होता है, ताकि आरोपी के अलावा किसी अन्य संभावना को पूरी तरह खारिज किया जा सके। इस मामले में परिस्थितियों की श्रृंखला की अहम कड़ियां साबित नहीं हो सकीं, जिससे पूरी कड़ी टूट गई।

2010 के हत्या मामले में निचली अदालत का फैसला रद्द

अदालत ने वसई के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश द्वारा 5 मई 2012 को दिए गए उस आदेश को भी रद्द कर दिया, जिसमें अशोक म्हात्रे को भारतीय दंड संहिता की धारा 302 और 201 के तहत दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा दी गई थी। अभियोजन के अनुसार, 10 जनवरी 2010 को विरार के नेशनल स्कूल के पास एक महिला का शव मिलने के बाद पुलिस ने जांच के दौरान महिला के प्रेमी अशोक म्हात्रे को गिरफ्तार किया था। हालांकि, हाई कोर्ट ने माना कि पेश किए गए सबूत दोष सिद्ध करने के लिए पर्याप्त नहीं हैं, और इसलिए आरोपी को बरी किया जाना उचित है।

मुंबई एयरपोर्ट पर इंडिगो विमान में तकनीकी खराबी, सुरक्षित लैंडिंग

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई हवाई अड्डे पर शुक्रवार को लैंडिंग के दौरान इंडिगो के ए321 नियो विमान के लैंडिंग गियर लीवर में तकनीकी समस्या सामने आई। सूत्रों के मुताबिक विमान में 210 से अधिक यात्री सवार थे। लैंडिंग गियर 'ऑटोमैटिक मोड' में काम नहीं करने पर पायलट ने 'मैन्युअल मोड' का इस्तेमाल किया, जिसके बाद विमान को सुरक्षित रूप से उतार लिया गया। समस्या को तुरंत दूर कर लिया गया और इसके बाद विमान ने अपनी अन्य उड़ानों का संचालन सामान्य रूप से किया। इस मामले पर इंडिगो की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

महिला यात्री की खोई सोने की चेन बरामद

डीबीडी संवाददाता । सोलापुर

सेंट्रल रेलवे के सोलापुर डिवीज़न ने एक बार फिर त्वरित और समन्वित कार्रवाई कर यात्री सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता साबित की है। ट्रेन यात्रा के दौरान टॉयलेट में गिरी एक महिला यात्री की सोने की चेन को सफलतापूर्वक बरामद कर उसे सुरक्षित लौटाया गया। महिला यात्री ट्रेन नंबर 11312 (हासन–सोलापुर एक्सप्रेस) से यात्रा कर रही थीं। यात्रा के दौरान गलती से उनकी सोने की चेन बायो-टॉयलेट के कमोड में गिर गई। ट्रेन स्टाफ ने तत्काल प्रयास किया, लेकिन उस समय चेन नहीं मिल सकी, जिससे यात्री काफी परेशान हो गईं। यात्री की सहायता करते हुए 6 फरवरी 2026 की सुबह 'रेल मदद' पोर्टल के माध्यम से शिकायत दर्ज कराई

गई और रेलवे से सहयोग का अनुरोध किया गया।

सोलापुर स्टेशन पर त्वरित कार्रवाई

ट्रेन के सोलापुर स्टेशन पहुंचते ही डिवीज़न के अधिकारियों ने तुरंत संज्ञान लिया। यात्री को आश्वस्त किया गया और इसके बाद मैकेनिकल विभाग के कैरिज एंड वैगन विंग की बायो-टॉयलेट मेंटेनेंस टीम ने ड्यूटी पर मौजूद रेलवे सुरक्षा बल (RPF) के कर्मचारियों के साथ मिलकर बायो-टॉयलेट टैंक की सावधानीपूर्वक जांच की। संयुक्त प्रयासों से सोने की चेन सफलतापूर्वक बरामद कर ली गई। आरपीएफ स्टाफ की मौजूदगी में यह गहना यात्री को सुरक्षित रूप से सौंप दिया गया।

महाराष्ट्र बनेगा हेल्थकेयर टूरिज्म का हब

ग्लोबल मेडिकल कॉन्फ्रेंस

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र सरकार ने राज्य को हेल्थकेयर इनोवेशन और मेडिकल वेलनेस टूरिज्म के क्षेत्र में एक प्रमुख वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करने का लक्ष्य तय किया है। हेल्थकेयर सेक्टर में निवेश की व्यापक संभावनाओं को देखते हुए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने स्वयं इस पहल की कमान संभाली है।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने चिकित्सा विभाग की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को मेडिकल वेलनेस टूरिज्म के लिए एक मजबूत 'महाराष्ट्र ब्रांड' विकसित करने के निर्देश दिए। इसी कड़ी में 'पल्स' नाम से एक अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य सम्मेलन का आयोजन मुंबई में 27 और 28 मार्च को किया जाएगा।

2900 से अधिक हेल्थ एक्सपर्ट्स की भागीदारी

इस प्रतिष्ठित सम्मेलन में देश-विदेश से लगभग 2,900 मेडिकल एक्सपर्ट्स, शोधकर्ता, नीति निर्माता और निवेशकों के शामिल होने की संभावना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि महंगे इलाज के बजाय प्रिवेंटिव थेरेपी की ओर बढ़ती वैश्विक रुचि को देखते हुए महाराष्ट्र में मेडिकल वेलनेस टूरिज्म की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने आयुष चिकित्सा प्रणालियों को स्वास्थ्य पहलों में प्रभावी रूप से शामिल करने पर भी जोर दिया।

नवाचार और स्टार्टअप्स को मिलेगा मंच

सीएम फडणवीस ने बताया कि चिकित्सा क्षेत्र में कई स्टार्टअप्स सक्रिय हैं और 'पल्स' सम्मेलन के माध्यम से उनकी अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित की जानी चाहिए। उल्लेखनीय है कि हालिया केंद्रीय बजट में भी आयुष आधारित शोध और हेल्थकेयर इनोवेशन को बढ़ावा देने पर विशेष बल दिया गया है।

मेडिकल सेक्टर में निवेश पर फोकस

राज्य सरकार वैश्विक हेल्थकेयर निवेशकों को आकर्षित करने की दिशा में भी काम कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे महाराष्ट्र के प्रस्तावित बल्क ड्रग पार्क में बड़े निवेश की संभावना बनेगी। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को नोडल अधिकारी नियुक्त कर समन्वय के साथ काम करने और सम्मेलन से ठोस परिणाम सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं को भी मिलेगा लाभ

चिकित्सा शिक्षा राज्य मंत्री माधुरी मिसाल ने बताया कि सम्मेलन के दौरान ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए स्वास्थ्य निवेशकों के साथ कई समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि दो दिवसीय 'पल्स' सम्मेलन का उद्देश्य नवाचार, निवेश और चिकित्सा पर्यटन को बढ़ावा देकर महाराष्ट्र को वैश्विक स्वास्थ्य मानचित्र पर मजबूत पहचान दिलाना है।

पुणे-मुंबई एक्सप्रेसवे हादसे के बाद एक्शन में सरकार

बांद्रा-वर्ली सी लिंक और कोस्टल रोड के लिए हवाई आपातकालीन सुविधाओं पर जोर

मुंबई। पुणे–मुंबई एक्सप्रेसवे पर दो दिन पहले गैस टैंकर पलटने से गंभीर आपातकालीन स्थिति पैदा हो गई थी, जिसमें यात्री कई घंटों तक फंसे रहे। इस घटना के बाद भविष्य में ऐसे खतरों से निपटने की तैयारी को लेकर मंथन तेज हो गया है। मुंबई उपनगरीय जिले के पालकमंत्री एडवोकेट आशीष शेलार ने कहा कि आपातकालीन प्रबंधन को और मजबूत बनाने के लिए संबंधित एजेंसियों से प्रस्ताव मंगाने की कार्रवाई की जाएगी।

सी लिंक और कोस्टल रोड पर इमरजेंसी व्यवस्था मजबूत करने पर जोर

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को भेजे गए बयान में पालकमंत्री शेलार ने कहा कि बांद्रा-वर्ली सी लिंक, वर्सोवा–बांद्रा वर्ली सी लिंक और पूरी कोस्टल रोड जैसी अहम सड़कों पर हादसा, आग या प्राकृतिक आपदा की स्थिति में त्वरित और प्रभावी प्रतिक्रिया देना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। खासतौर पर कोस्टल रोड के अंडरग्राउंड और समुद्री हिस्सों में घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाना और सुरक्षा व आपात सेवाओं की तेज पहुंच सुनिश्चित करना बेहद जरूरी है। इसी को ध्यान में रखते हुए बांद्रा रिक्लेमेशन क्षेत्र में सी लिंक के पास हेलीपैड निर्माण और इसके लिए आवश्यक भूमि उपलब्ध कराने पर विचार किया जा रहा है।

एयर एम्बुलेंस और एजेंसियों के बेहतर समन्वय की योजना

हेलीपैड बनने से कोस्टल रोड और सी लिंक पर किसी भी आपात स्थिति में घायलों को तुरंत एयर एम्बुलेंस के जरिए अस्पताल पहुंचाया जा सकेगा। इसके साथ ही डिजास्टर मैनेजमेंट, पुलिस, फायर ब्रिगेड, एनडीआरएफ और अन्य संबंधित एजेंसियों के बीच समन्वय को और प्रभावी बनाने पर भी जोर दिया गया है।

डीसीएम एकनाथ शिंदे ने 'मिसिंग लिंक' को जल्द पूरा करने के दिए निर्देश

मुंबई। मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर पिछले दिनों एक टैंकर हादसे के कारण लगे 32 घंटे लंबे भीषण जाम ने महाराष्ट्र प्रशासन की व्यवस्थाओं की पोल खोल दी है। हजारों यात्रियों के सड़क पर फंसे रहने और भारी आक्रोश के बाद, उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने 'मिसिंग लिंक प्रोजेक्ट' की समीक्षा की और इसे युद्धस्तर पर पूरा करने का निर्देश दिया। राज ठाकरे सहित अन्य विपक्षी नेताओं द्वारा सरकार की आपातकालीन प्रबंधन प्रणाली पर उठाए गए सवालों के बीच, एमएसआरडीसी ने अब इस प्रोजेक्ट को मई 2026 तक हर हाल में पूरा करने की नई समयसीमा तय की है।

खतरनाक सफर होगा खत्म

यह प्रोजेक्ट न केवल यात्रा के समय को कम करेगा, बल्कि लोनावला-खंडाला घाट के उस सबसे चुनौतीपूर्ण और खतरनाक हिस्से को भी खत्म कर देगा जहाँ अक्सर भारी वाहन दुर्घटनाग्रस्त होते हैं। वर्तमान में एक्सप्रेसवे और पुराना हाईवे खोपोली के पास 'अडौशी' से 'कुसगांव' के बीच एक ही संकरे मार्ग पर मिल जाते हैं, जिससे वहां दबाव बढ़ जाता है। यह 19.8 किलोमीटर का हिस्सा बेहद घुमावदार है और मानसून के दौरान भूस्खलन के प्रति संवेदनशील है। मिसिंग लिंक के तैयार होने से यह पूरा 'घाट' हिस्सा बायपास हो जाएगा।

दूरी और समय में बड़ी बचत

नया मार्ग खोपोली एग्जिट से शुरू होकर सीधे कुसगांव में निकलेगा, जिससे मुंबई और पुणे के बीच की दूरी लगभग 6 किलोमीटर कम हो जाएगी। इस आधुनिक इंजीनियरिंग प्रोजेक्ट के सफल होने से यात्रा का समय 25 से 30 मिनट तक घट जाएगा। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि नया मार्ग चौड़ा और सीधा होने के कारण घाट क्षेत्र में लगने वाले आवर्ती जाम से यात्रियों को स्थाई मुक्ति मिल सकेगी।

उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार की शपथ पर राजनीति अनुचित : मुख्यमंत्री

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार को उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार के शपथ ग्रहण को लेकर हो रहे विवाद पर कड़ी नाराजगी जताई है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि एक महिला नेता के साहसपूर्ण निर्णय पर राजनीति करना पूरी तरह से अनुचित और गलत है। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों के नेताओं से अपील की है कि वे इस संवेदनशील मामले में ओछी राजनीति करना बंद करें और राज्य के हित को सर्वोपरि रखें।

अजित पवार की विरासत को आगे बढ़ाएंगी सुनेत्रा

मुख्यमंत्री फडणवीस ने दिवंगत नेता अजित पवार को याद करते हुए कहा कि उनके निधन के बाद राज्य के सामने कठिन परिस्थितियां थीं। उन्होंने सुनेत्रा पवार के निर्णय की सराहना करते हुए कहा, जिस हिम्मत से सुनेत्रा बहिनी ने महाराष्ट्र के हित में फैसला लिया, वह काबिल-ए-तारीफ है। मुझे पूरा विश्वास है कि वह अजित दादा की विरासत को पूरी गरिमा के साथ आगे बढ़ाएंगी। फडणवीस ने राज्य को पहली महिला उपमुख्यमंत्री मिलने पर हर्ष व्यक्त करते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना भी की।

विरोधियों की बयानबाजी पर साधा निशाना

उल्लेखनीय है कि अजित पवार के आकस्मिक निधन के बाद सुनेत्रा पवार ने लोक भवन में सादे समारोह के दौरान पद की शपथ ली थी। इस पर विपक्षी नेताओं और सहयोगी दलों के कुछ बयानों ने विवाद खड़ा कर दिया था। शिंदे समूह के रामदास कदम ने जहां इसे सुनील तटकरे का दबाव बताया, वहीं शेकाप नेता जयंत पाटिल ने हिंदू मान्यताओं का हवाला देते हुए 15 दिन रुकने की सलाह दी थी। इन टिप्पणियों को मुख्यमंत्री ने 'घटिया राजनीति' करार देते हुए खारिज कर दिया।

पश्चिम रेलवे

आपूर्ति, स्थापना एवं कमीशनिंग

वरिष्ठ मंडल अभियंता (दक्षिण), मुंबई सेंट्रल (MMCT), पश्चिम रेलवे निम्नलिखित कार्य हेतु **निविदा सूचना क्रमांक: BCT/25-26/312 दिनांक: 03.02.2026 आमंत्रित करते हैं। कार्य का नाम** एवं स्थानः चर्चगेट – विरार सेक्शन में ट्रैक आधारित रेल गेज फेस लुब्रिकेटर (इलेक्ट्रॉनिक प्रकार, 1 किमी तक कैरी-डाउन प्रभाव सहित) की आपूर्ति, स्थापना, कमीशनिंग एवं 5 वर्षों तक संचालन। कार्य की अनुमानित लागतः10,37,68,873.20 **जमानत राशि (EMD):** 6,68,900/- **निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समयः** 10.03.2026 को अपराह्न 15.00 बजे तक **निविदा खोलने की तिथि एवं समयः** 10.03.2026 को अपराह्न 15.30 बजे अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखें।

1085

हमें लाइक करें: X.com/WesternRly

नाम परिवर्तन

मैं बृजेश कुमार शुक्ला सन ऑफ़ शिवा शंकर शुक्ला । मेरा पासपोर्ट नंबर J 9657542 (पुराना नाम) 555 रूम नंबर 56 चमेली वाडी एन एम जोशी मार्ग बी एम सी ऑफिस चिंचपोकली मुंबई जेकब सर्कल मुंबई महाराष्ट्र 400011 मैंने अपना नाम बदल लिया है। अब मेरा नाम बृजेश शिव शंकर शुक्ला सन ऑफ शिव शंकर शुक्ला (नया नाम) है , जैसा कि दस्तावेजों के अनुसार है।

मुंबई महानगरपालिका में भाजपा पार्टी कार्यालय का उद्घाटन

मुंबई। मुंबई महानगरपालिका में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पार्टी कार्यालय का उद्घाटन 6 फरवरी 2026 को सुबह 10 बजे किया गया। लगभग 3–4 वर्षों के प्रशासकीय शासन के बाद यह कार्यालय एक बार फिर राजनीतिक गतिविधियों के लिए खुल गया है।

इस अवसर पर मुंबई भाजपा अध्यक्ष अमित साटम और दल नेता गणेश खणकर की प्रमुख उपस्थिति में उद्घाटन समारोह संपन्न हुआ। उद्घाटन कार्यक्रम में भाजपा का "मराठी बाणा" स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। इस अवसर पर नवनिर्वाचित नगरसेवक पारंपरिक मराठी वेशभूषा में नजर आए। कार्यालय में सत्यनारायण पूजा एवं विधिवत पूजन कर नए सत्ताकाल का शुभारंभ किया गया। इसे मुंबई महानगरपालिका में भाजपा की आगामी राजनीतिक यात्रा का नया अध्याय और एक नए युग की शुरुआत माना जा रहा है।

इस मौके पर कार्यालय के बाहर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की भव्य रंगोली बनाई गई, जिस पर "मुंबई के स्वर्णकाल की शुरुआत" का संदेश अंकित था। उद्घाटन के समय महानगरपालिका चुनाव में निर्वाचित सभी नगरसेवक और

नगरसेविकाएं उपस्थित रहीं।

गौरतलब है कि हाल ही में संपन्न हुई महानगरपालिका चुनावों के बाद भाजपा ने पार्टी कार्यालय का नियंत्रण संभाल लिया है। साथ ही 11 फरवरी 2026 को होने वाले महापौर एवं उपमहापौर चुनाव को लेकर पार्टी की रणनीति इसी कार्यालय से तैयार की जा रही है।

जुहू में मगरमच्छ-कछुआ रखने वाला आरोपी गिरफ्तार

मुंबई। मुंबई के जुहू इलाके में वन विभाग ने पुलिस के सहयोग से बड़ी कार्रवाई करते हुए एक घर पर छापा मारकर जीवित मगरमच्छ और धब्बेदार कछुआ बरामद किया है। इस मामले में इमरान इस्माईल शेख नामक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी से जुहू पुलिस स्टेशन की टीम वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत पूछताछ कर रही है।

ठाणे वन विभाग के अधिकारी के अनुसार, क्राइम ब्रांच की यूनिट-9 को जुहू के मोरगाई शंकर चाल स्थित एक घर में अवैध रूप से मगरमच्छ और कछुआ रखे जाने की गोपनीय जानकारी मिली थी। यह सूचना तत्काल ठाणे वन विभाग के साथ साझा की गई, जिसके बाद संयुक्त टीम ने छापा मारा। छापेमारी के दौरान एक जीवित मगरमच्छ और एक कछुआ जब्त किया गया। इसके बाद आरोपी के खिलाफ वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की धारा 2(1), 9, 39, 44, 48, 48(ए) और 51 के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

पश्चिम रेलवे

TADK के स्थान पर परिचारकों की नियुक्ति

सहायक मंडलीय सामग्री प्रबंधक,मुंबई सेंट्रल, मुंबई – 400008 द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु **निविदा सूचना संख्या: 8125A_BCT_Hiring_TADK दिनांक: 30.01.202 आमंत्रित करते हैं। निविदा खुलने की तिथि: 05.03.2026 कार्य का नाम एवं स्थानः** पश्चिम रेलवे, मुंबई सेंट्रल मंडल एवं रेलवे भर्ती बोर्ड (RRB)–मुंबई में कार्यरत अधिकारियों के लिए महाराष्ट्र एवं गुजरात राज्य में TADK के स्थान पर 24 माह की अवधि हेतु परिचारकों (Attendants) की नियुक्ति। **कार्य की अनुमानित लागतः** 3,16,18,437/- **EMD: 25,000/- निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समयः** 05.03.2026 को प्रातः 11:00 बजे तक **निविदा खोलने की तिथि एवं समयः** 05.03.2026 को प्रातः 11:00 बजे अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in** देखें

1081

हमें लाइक करें: X.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक,मुंबई सेंट्रल मंडल, पश्चिम रेलवे,मंडल रेल प्रबंधक, वाणिज्य विभाग, एनएफआर सेक्शन, मुंबई सेंट्रल – मुंबई 400008

कार्य – मुंबई मंडल में विभिन्न एनएफआर (Non-Fare Revenue) माध्यमों के माध्यम से विज्ञापन प्रदर्शित करना।

नीलामी कैटलॉग क्रमांक	नीलामी प्रारंभ (सभी लॉट)
MMCTADVTMB25-11	20.02.2026 14:00 बजे

क्र.	लॉट संख्या	स्थान / क्षेत्र	अवधि	ई-नीलामी की अंतिम तिथि एवं समय
1	MMS-MobGen-133732-2-26-1 (विविध–मोबाइल सेवाएं – मोबाइल जनरल)	पश्चिम रेलवे के मुंबई डिवीजन के अंतर्गत, ट्रेन संख्या 12009/12010 शताब्दी एक्सप्रेस (मुंबई सेंट्रल – अहमदाबाद – मुंबई सेंट्रल) में यात्रियों को निःशुल्क लाइफस्टाइल मैगजीन के ऑनबोर्ड वितरण हेतु अनुबंध।	1096	20.02.2026 14:00

नीलामी कैटलॉग क्रमांक	नीलामी प्रारंभ (सभी लॉट)
MMCT-ADVT-25-75	20.02.26 15:00 Hrs.

क्र.	लॉट संख्या	स्थान / क्षेत्र	अवधि	ई-नीलामी की अंतिम तिथि एवं समय
1	ADVT-BCT-CCG-OH-469-26-1 विज्ञापन – आउट ऑफ होम	चर्चगेट स्टेशन, प्लेटफॉर्म क्रमांक 4 के पूर्वी भाग की दीवारों पर (सड़क की ओर) एलसीडी/एलईडी के माध्यम से कुल 1826 विज्ञापनों के प्रदर्शन हेतु बल्क विज्ञापन अधिकार, अवधि 05 वर्ष के लिए।	1826	20.02.2026 15:30
2	ADVT-BCT-ST-OSD-356-26-1 विज्ञापन – स्टेशन परिसर में (डिजिटल)	सूरत (ST) स्टेशन के परिसंचरण क्षेत्र में, यात्री होल्डिंग एरिया में पीआरएस के पास, डिजिटल माध्यम से विज्ञापन प्रदर्शन हेतु बल्क विज्ञापन अधिकार, अवधि 01 वर्ष के लिए।	365	20.02.2026 15:40
3	ADVT-BCT-BA-OSN-440-25-1 विज्ञापन – स्टेशन परिसर में (गैर-डिजिटल)	बांद्रा (BA) स्टेशन पर फुट ओवर ब्रिजों (FOBs) पर गैर-डिजिटल माध्यम से विज्ञापन प्रदर्शन हेतु बल्क विज्ञापन अधिकार, अवधि 03 वर्ष के लिए।	1096	20.02.2026 15:50

संपर्क विवरण : दूरभाष (लैंडलाइन): 022-67644212
ई-मेल आईडीः **acmadvtgbct@gmail.com**
इच्छुक बोलीदाताओं से अनुरोध है कि वे IREPS वेबसाइट (**www.ireps.gov.in**) पर उपलब्ध ई-नीलामी लीजिंग मॉड्यूल देखें। लॉट-वार विस्तृत जानकारी उक्त वेबसाइट पर उल्लिखित कैटलॉग के अंतर्गत उपलब्ध है।

1082

हमें लाइक करें:: facebook.com/WesternRly | हमें फालो करें:: X.com/WesternRly

एपस्टीन फाइल्स की भारतीय राजनीति में एंट्री

संजय राउत ने मोदी कैबिनेट पर लगाए सनसनीखेज आरोप

मुंबई। दुनिया भर के दिग्गजों की नींद उड़ाने वाले 'एपस्टीन फाइल्स' विवाद ने अब भारतीय राजनीति में भूचाल ला दिया है। शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने केंद्र सरकार पर सीधा हमला बोलते हुए दावा किया है कि मोदी कैबिनेट के कुछ मंत्रियों के नाम इस विवादास्पद फाइल में शामिल हैं। मुंबई में मीडिया से मुखातिब होते हुए राउत ने आरोप लगाया कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चित इस स्कैंडल में फंसी हस्तियों के साथ सरकार के मंत्रियों के 'मधुर' संबंध रहे हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मांग की है कि इस सूची में शामिल मंत्रियों के खिलाफ तत्काल और कड़ी कार्रवाई की जाए। संजय राउत ने अपने आरोपों में विशेष रूप से केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी का नाम लेते हुए उन पर पद के दुरुपयोग का आरोप लगाया।

सार्वजनिक सूचना

प्रति, दिनांक: 7 फरवरी, 2026
श्री सुकांत पाणिग्राही
पूर्व अध्यक्ष, एसोसिएशन ऑफ सिने/टी.वी.
आर्ट डायरेक्टर्स एंड कॉस्ट्यूम डिजाइनर्स
(ACTADCD) वर्तमान पता अज्ञात।

महोदय,

इस सार्वजनिक सूचना तथा आपको पहले भेजे गए ईमेल के माध्यम से सूचित किया जाता है कि माननीय औद्योगिक न्यायालय, महाराष्ट्र, मुंबई के आदेशानुसार आपको एच.एच. श्रीमती अर्चना चंद्रकांत राऊत, सदस्य, औद्योगिक न्यायालय, मुंबई के समक्ष उपस्थित होने के लिए कहा जाता है। यह आवेदन (IC-TU) क्रमांक 1/2026, श्री संजय सिंह (सदस्य एवं महासचिव, ACTADCD) द्वारा आपके विरुद्ध प्रतिवादी क्रमांक 1 एवं अन्य 4 के रूप में दायर किया गया हैइस मामले की सुनवाई 09.02.2026 को प्रातः 11:00 बजे या न्यायालय द्वारा समय-समय पर सूचित किए जाने वाले समय पर निर्धारित हैयदि आप निर्धारित तिथि और समय पर व्यक्तिगत रूप से या अपने अधिकृत विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से उपस्थित होने में असफल रहते हैं, तो यह मामला आपकी अनुपस्थिति में एकपक्षीय (Ex-Parte) रूप से आगे बढ़ाया जा सकता है, जिसका कृपया विशेष संज्ञान लें

कार्यालय:
201, अशियाना आशा नगर,
कांदीवली (पूर्व)मुंबई – 400101
मो नं.: 7715031984

आदेशानुसार...
आवेदक – संजय सिंह
कौले, 07/02/26
(के.आर. शेट्टी)
अधिवक्ता

उल्हासनगर महानगरपालिका, उल्हासनगर

शहर अभियंता, सार्वजनिक बांधकाम विभाग यांचे कार्यालय

ई- निविदा क्र.२७९ ते २८० (२०२५-२६)

उल्हासनगर महानगरपालिका शहरामधील खालील नमुद कामे योग्य वर्गातील ठेकेदाराकडून निविदा प्रणाली पध्दतीनुसार महानगरपालिकेच्या अटी व शर्तीस अधिन राहून दिनांक ०७/०२/२०२६ रोजी निविदा मागविण्याकरीता प्रसिध्द करण्यात येत आहे. सदर निविदा प्रणालीबाबत इतर आवश्यक माहिती https://mahatenders.gov.in/या संकेत स्थळावर प्रसिध्द करण्यात आली आहे.

ई- निविदा क्र, २७९ ते २८० (२०२५-२६)

अ. क्र.	निविदा क्रमांक	कामाचे नांव	निविदा रक्कम (जी.एस.टी वगळून)	इसारा रक्कम	कालावधी	वर्गवार
१	उमपा/सांबांवि / नोटीस /२०२५-२६/२७९	उल्हासनगर-३ मधील हिराघाट महाशिवरात्री-२०२६ करिता स्टेज, मंडप, खुर्ची टेबल, बॅरेगेटींग इत्यादी कामे करणे	६०२७११	६५००	१५ दिवस	NA
२	उमपा/सांबांवि / नोटीस /२०२५-२६/२८९	उल्हासनगर-५ मधील कैलाश कॉलनी प्रवेशद्वारजवळ महाशिवरात्री करिता फर्निचर, इतर सुविधा पुरविणे व इत्यादी कामे करणे	८०७१६२	८५००	१५ दिवस	NA

सदर निविदा प्रणालीबाबत इतर आवश्यक माहिती https://mahatenders.gov.in/ या संकेतस्थळावर प्रसिध्द करण्यात आली आहे.

जा.क्र उमपा पिआरओ / ५२०/२०२६, दि.०६/०२/२०२६

सही/-
कार्यकारी अभियंता (सांबांवि)
उल्हासनगर महानगरपालिका

संपादकीय

सेवा छुट्टी से नहीं, संवेदना से आती है

संसद में बुजुर्ग माता-पिता की सेवा के लिए 45 दिन की विशेष छुट्टी की मांग उठी है। यह मांग पहली नजर में मानवीय लगती है, क्योंकि तेजी से बदलते सामाजिक ढांचे में बुजुर्गों की स्थिति चिंता का विषय बनती जा रही है। लेकिन मूल सवाल यह है कि क्या छुट्टी मिलने भर से सेवा हो जाएगी? क्या जो लोग घर पर रहते हैं, वे सब अपने माता-पिता की सेवा ही करते हैं? सच यह है कि सेवा किसी सरकारी आदेश या छुट्टी की सुविधा से नहीं, बल्कि भीतर की संवेदना और जिम्मेदारी के भाव से आती है। भारत तेजी से वृद्ध होती आबादी की ओर बढ़ रहा है। हाल के आंकड़ों के अनुसार देश की लगभग 9.7 प्रतिशत आबादी अब 60 वर्ष से अधिक आयु की है—यानी हर 10 में से एक भारतीय बुजुर्ग है। 65 वर्ष से अधिक आयु वालों की हिस्सेदारी भी 6 प्रतिशत से ऊपर पहुंच चुकी है। अनुमान है कि 2050 तक बुजुर्गों की आबादी लगभग 20 प्रतिशत तक पहुंच जाएगी। स्पष्ट है कि आने वाले वर्षों में बुजुर्गों की संख्या तेजी से बढ़ेगी और उनके प्रति जिम्मेदारी का सवाल और गंभीर होता जाएगा। लेकिन बढ़ती उम्र के साथ सम्मान और सुरक्षा नहीं बढ़ रही। कई रिपोर्टों के अनुसार भारत में हर पांच में से दो बुजुर्ग संपत्ति के लिहाज से कमजोर स्थिति में हैं, जबकि लगभग 18 से 20 प्रतिशत बुजुर्गों के पास आय का कोई स्थायी स्रोत नहीं है। एक सर्वेक्षण में 65 प्रतिशत से अधिक बुजुर्गों ने माना कि वृद्धावस्था में उपेक्षा आम समस्या है और करीब 25 प्रतिशत ने परिवार के भीतर शोषण या दुर्व्यवहार का अनुभव होने की बात कही। यह आंकड़े केवल आर्थिक संकट नहीं, बल्कि भावनात्मक दूरी की कहानी भी कहते हैं। शहरीकरण और रोजगार के लिए बढ़ते पलायन ने इस समस्या को और गहरा किया है। एक अनुमान के अनुसार देश के लगभग 40 प्रतिशत बुजुर्ग अकेले या केवल जीवनसाथी के साथ रहते हैं। इससे उनकी सुरक्षा, स्वास्थ्य और मानसिक स्थिति पर प्रतिकूल असर पड़ता है। जब परिवार का सहारा कमजोर होता है, तब कानून और योजनाएं भी सीमित असर ही डाल पाती हैं। ऐसे में संसद में उठी 45 दिन की छुट्टी की मांग को केवल प्रशासनिक प्रस्ताव के रूप में नहीं, बल्कि सामाजिक चेतावनी के रूप में देखना चाहिए। यह मांग हमें याद दिलाती है कि परिवार की जिम्मेदारी कानून से नहीं, संस्कारों से चलती है। छुट्टी कुछ लोगों को अपने माता-पिता के साथ समय बिताने का अवसर दे सकती है, लेकिन यह सेवा की गारंटी नहीं हो सकती। सेवा का अर्थ केवल पास रहना नहीं, बल्कि दिल से जुड़ना है। कई लोग घर में रहते हुए भी माता-पिता से संवाद नहीं करते, जबकि कई लोग दूर रहकर भी रोज फोन करते हैं, उनकी जरूरतों का ध्यान रखते हैं और उन्हें सम्मान देते हैं। इसलिए सेवा की जड़ छुट्टी नहीं, बल्कि संवेदनशीलता है। भारतीय संस्कृति में माता-पिता को देवतुल्य माना गया है। जिन माता-पिता ने अपने बच्चों की शिक्षा, करियर और भविष्य के लिए अपना जीवन खपा दिया, उन्हीं के लिए समय निकालने में आज कई लोग बहाने ढूंढते नजर आते हैं। यह केवल व्यक्तिगत कमी नहीं, बल्कि सामाजिक संवेदनहीनता का संकेत है। इसलिए समाधान केवल छुट्टी देना नहीं, बल्कि परिवारों में संवाद बढ़ाना, बच्चों में संस्कारों को मजबूत करना और बुजुर्गों के सम्मान की संस्कृति को पुनर्जीवित करना है। कानून सहायक हो सकता है, लेकिन रिश्तों को जिंदा रखने का काम दिल ही कर सकता है। अंततः यह समझना होगा कि माता-पिता की सेवा कोई बोझ नहीं, बल्कि जीवन का सबसे बड़ा अवसर है। संसद में उठी छुट्टी की मांग इस चर्चा की शुरुआत हो सकती है, पर असली बदलाव तब आएगा जब समाज में सेवा का भाव फिर से जागेगा—क्योंकि सेवा छुट्टी से नहीं, संवेदना से आती है।

शख्सियत | जतिन्द्र नाथ दास

अजेय संकल्प और आत्मोत्सर्ग की महान गाथा

भारतीय स्वाधीनता संग्राम के इतिहास में कई ऐसे नायक हुए जिन्होंने अपनी वीरता से शत्रुओं के दांत खट्टे किए, लेकिन जतिन्द्र नाथ दास एक ऐसे विरले योद्धा थे जिन्होंने बिना शस्त्र उठाए, केवल अपने आत्मबल और संकल्प की शक्ति से ब्रिटिश साम्राज्य की जड़ें हिला दीं

क्रांति का प्रारंभिक मार्ग जतिन दास बचपन से ही मेधावी और देशप्रेम की भावना से ओतप्रोत थे। असहयोग आंदोलन के दौरान ही वे स्वाधीनता संग्राम से जुड़ गए थे। उनकी प्रतिभा और तकनीकी समझ इतनी गहरी थी कि क्रांतिकारी उन्हें 'बम बनाने का विशेषज्ञ' मानते थे। वे 'हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन' (HSRA) के एक महत्वपूर्ण स्तंभ बने और भगत सिंह जैसे क्रांतिकारियों के साथ मिलकर देश की आजादी की योजनाएं बनाने लगे। उनकी कार्यकुशलता ऐसी थी कि वे पर्दे के पीछे रहकर बड़े अभियानों को सफल बनाने की क्षमता रखते थे। जतिन दास के जीवन का सबसे निर्णायक मोड़ तब आया जब उन्हें 'लाहौर षड्यंत्र केस' में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। उस समय जेलों में भारतीय राजनीतिक कैदियों के साथ अपराधियों जैसा व्यवहार किया जाता था। उन्हें न तो अच्छा भोजन मिलता था, न पढ़ने के लिए किताबें और न ही बुनियादी सुविधाएं। जतिन दास ने इस अन्याय के खिलाफ आवाज उठाई। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह लड़ाई केवल सुविधाओं की नहीं, बल्कि भारतीय क्रांतिकारियों के 'सम्मान' और 'पहचान' की है। 13 जुलाई 1929 को उन्होंने ऐतिहासिक भूख हड़ताल शुरू की। उनके साथ भगत सिंह और अन्य साथी भी थे, लेकिन जतिन दास का संकल्प सबसे कठोर था। उन्होंने घोषणा की थी कि जब तक उनकी मांगें नहीं मानी जातीं, वे अन्न का एक दाना भी ग्रहण नहीं करेंगे। उनके लिए यह लड़ाई निजी नहीं, बल्कि राष्ट्र के स्वाभिमान की लड़ाई थी। अंग्रेजी हुकूमत के लिए जतिन दास का यह संकल्प एक बड़ी चुनौती बन गया। प्रशासन ने उन्हें जबरन खाना खिलाने (Forced Feeding) की हर मुमकिन कोशिश की। रबर की नली के जरिए दूध पिलाने का प्रयास किया गया, लेकिन जतिन दास ने अपनी श्वास नली को नियंत्रित कर लिया, जिससे दूध उनके फेफड़ों में चला गया। इससे उन्हें निमोनिया हो गया और उनकी हालत और भी बिगड़ती गई, लेकिन उन्होंने अस्पताल जाने या इलाज करवाने से साफ इनकार कर दिया। जैसे-जैसे दिन बीतते गए, जतिन दास का शरीर गलने लगा। उनकी आंखों की रोशनी कम हो गई, हड्डियां उभर आईं, लेकिन उनके चेहरे पर एक अलौकिक शांति थी। उन्होंने 63 दिनों तक मृत्यु से सीधा साक्षात्कार किया। उनकी सहनशक्ति देखकर जेल के अधिकारी भी हैरान थे। अंततः 13 सितंबर 1929 को मात्र 25 वर्ष की आयु में इस महान योद्धा ने अपने प्राण राष्ट्र की वेदी पर अर्पित कर दिए। जतिन दास की शहादत ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया। जब उनका पार्थिव शरीर लाहौर से कोलकाता लाया गया, तो रास्ते में हर स्टेशन पर हजारों की भीड़ उमड़ पड़ी। कोलकाता में उनके अंतिम संस्कार में लगभग 6 लाख लोग शामिल हुए, जो उस समय के इतिहास की सबसे बड़ी शव यात्राओं में से एक थी। यतीन्द्रनाथ दास के इस बलिदान ने ब्रिटिश सत्ता की नैतिक हार तय कर दी थी। जतिन दास का जीवन हमें सिखाता है कि नेतृत्व केवल पद से नहीं, बल्कि त्याग से आता है।

मुंबई में उत्तर भारतीयों की दशा और दिशा

धीरज सिंह
समाचार संपादक

अगर बृहन्मुंबई महानगरपालिका (मनपा) को देखें तो 227 पार्षदों में औसतन 20 से 30 पार्षद ही उत्तर भारतीय पृष्ठभूमि से आते हैं, यानी करीब 10-12 प्रतिशत। विधानसभा में मुंबई की 36 सीटों में से सामान्यत: 4 से 6 विधायक ही उत्तर भारतीय मूल के होते हैं। लोकसभा में 6 सीटों में से शायद ही कभी एक से अधिक प्रतिनिधि मिल पाया हो। साफ है कि आबादी के मुकाबले राजनीतिक हिस्सेदारी आधे से भी कम है।

मुंबई देश की आर्थिक राजधानी है और इस शहर को खड़ा रखने में उत्तर भारतीयों की भूमिका बुनियादी रही है। उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और मध्य प्रदेश से आए लाखों लोग निर्माण, परिवहन, होटल, सुरक्षा, सफाई, टैक्सी-ऑटो और छोटे कारोबार से लेकर संगठित क्षेत्र तक में काम कर रहे हैं। विभिन्न सामाजिक अध्ययनों और जनगणना 2011 के आधार पर अनुमान है कि मुंबई महानगर क्षेत्र में 35 से 40 प्रतिशत आबादी उत्तर भारतीय मूल की है। इसके बावजूद राजनीतिक प्रतिनिधित्व और प्रभाव इस अनुपात के आसपास भी नहीं दिखता।

आंकड़ों में प्रतिनिधित्व की हकीकत

अगर बृहन्मुंबई महानगरपालिका (मनपा) को देखें तो 227 पार्षदों में औसतन 20 से 30 पार्षद ही उत्तर भारतीय पृष्ठभूमि से आते हैं, यानी करीब 10-12 प्रतिशत। विधानसभा में मुंबई की 36 सीटों में से सामान्यतः 4 से 6 विधायक ही उत्तर भारतीय मूल के होते हैं। लोकसभा में 6 सीटों में से शायद ही कभी एक से अधिक प्रतिनिधि मिल पाया हो। साफ है कि आबादी के मुकाबले राजनीतिक हिस्सेदारी आधे से भी कम है।

वोट बैंक है, ताकत नहीं

उत्तर भारतीय मतदाता कई सीटों पर निर्णायक भूमिका में हैं, लेकिन यह ताकत संगठित नहीं हो पाती। राजनीतिक दल उन्हें एक मजबूत वोट बैंक के रूप में तो देखते हैं, पर सत्ता और निर्णय की मेज पर बराबरी का भागीदार नहीं बनाते। चुनाव के समय रैलियां, भाषण और सम्मान के शब्द मिलते हैं, लेकिन चुनाव के बाद नीतियों में उनकी आवाज कमजोर पड़ जाती है।

जातियों में बंटा समाज

उत्तर भारतीय समाज की सबसे बड़ी कमजोरी उसकी जातिगत बिखराव है। ब्राह्मण, क्षत्रिय, यादव, कुर्मी, कुशवाहा, निषाद, दलित, पासवान, चमार और मुस्लिम समुदाय-हर वर्ग की अपनी अलग सामाजिक संरचना और नेतृत्व है। मुंबई में कई वार्ड ऐसे हैं जहां उत्तर भारतीय आबादी

40 प्रतिशत से ज्यादा है, फिर भी 3-4 जातियों के उम्मीदवार मैदान में उतर जाते हैं। नतीजा यह होता है कि वोट बंटता है और सीट किसी और के हाथ चली जाती है। इसके उलट मराठी समाज ने जातीय विविधता के बावजूद "मराठी अस्मिता" को राजनीतिक पहचान बना लिया, जिसने उसे स्थायी ताकत दी।

नेतृत्व है, लेकिन दिशा नहीं

यह कहना गलत होगा कि उत्तर भारतीय नेतृत्व नहीं है। पार्षद, विधायक, पार्टी पदाधिकारी मौजूद हैं, लेकिन अधिकतर नेता या तो पार्टी की आंतरिक राजनीति में सीमित रह जाते हैं या व्यक्तिगत करियर पर केंद्रित हो जाते हैं। समुदाय के साझा मुद्दे—शिक्षा, आवास, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा-को लेकर कोई दीर्घकालिक राजनीतिक एजेंडा खड़ा नहीं हो पाता। इससे जनता में निराशा और राजनीतिक उदासीनता बढ़ती है।

पार्टियों की रणनीति

मुख्यधारा की पार्टियां उत्तर भारतीय उम्मीदवारों को अक्सर कमजोर या अनिश्चित सीटों से उतारती हैं। संगठन में उन्हें भीड़ जुटाने और प्रचार तक सीमित रखा जाता है। निर्णय लेने वाले पदों पर उनकी संख्या बहुत कम है। यही वजह है कि प्रतिनिधित्व होने के बावजूद प्रभाव नहीं दिखता।

असुरक्षा और रोज़गार का दबाव

मुंबई में उत्तर भारतीयों का बड़ा हिस्सा असंगठित क्षेत्र में काम करता है। अनुमान है कि 60 प्रतिशत से अधिक उत्तर भारतीय श्रमिक अस्थायी या अनौपचारिक रोजगार पर निर्भर हैं। रोज़ी-रोटी की अनिश्चितता के कारण राजनीतिक मुखरता से बचने की प्रवृत्ति बनती है। "बाहरी बनाम स्थानीय" जैसे मुद्दे जब उछाले जाते हैं, तो समुदाय रक्षात्मक हो जाता है। अधिकार की लड़ाई की जगह चुप्पी सुरक्षित विकल्प लगती है।

मनपा में मुद्दों की अनदेखी

मनपा जैसे शक्तिशाली निकाय में उत्तर भारतीय बहुल इलाकों के मुद्दे अक्सर हाशिये पर चले जाते हैं। हिंदी माध्यम के स्कूलों की स्थिति, झुग्गी पुनर्वास, प्रवासी मजदूरों की स्वास्थ्य सुविधाएं और सामाजिक सुरक्षा जैसे सवाल प्राथमिकता नहीं बन पाते। प्रतिनिधि मौजूद हैं, लेकिन सामूहिक दबाव की कमी के कारण नीतिगत बदलाव नहीं हो पाता। समाधान किसी एक चुनाव में नहीं, बल्कि दीर्घकालिक सोच में है। पहला,जाति से ऊपर उठकर साझा राजनीतिक मंच बनाना जरूरी है। दूसरा, स्थानीय स्तर पर मजबूत, शिक्षित और जमीनी नेतृत्व तैयार करना होगा।

तीसरा, मतदाता को यह समझना होगा कि वह केवल वोट देने वाला नहीं, बल्कि शहर की राजनीति का स्थायी भागीदार है।

मुंबई उत्तर भारतीयों की मेहनत से चलती है। अब समय है कि यह मेहनत सिर्फ आर्थिक योगदान तक सीमित न रहे, बल्कि राजनीतिक प्रभाव में भी बदले। जब तक जातियों में बंटा समाज एकजुट होकर अपनी आवाज नहीं बनाएगा, तब तक सम्मान दिखावे का ही रहेगा और राजनीतिक दखल कमजोर बना रहेगा।

हमारी गीता

दिल तो दिल है

स्वामिनी निष्कलानंदा
चिन्मय मिशन कल्याण

भगवद्गीता का उपदेश आज से लगभग पांच हजार वर्ष पहले कुरुक्षेत्र के मैदान में अर्जुन को दिया गया था। यह केवल उस समय के एक योद्धा के लिए कही गयी बात नहीं थी, बल्कि हर युग के मनुष्य के लिए जीवन का मार्गदर्शन है। हम भी अर्जुन की ही तरह हैं—दुविधा में पड़ते हैं, भावनाओं में बहते हैं, कभी डरते हैं, कभी भागना चाहते हैं। इसलिए गीता का संदेश हमारे लिए उतना ही प्रासंगिक है जितना अर्जुन के लिए था। यदि हम गहराई से सोचें, तो पांच हजार वर्ष पहले का मनुष्य और आज का मनुष्य मूल रूप से अलग नहीं है। आज तकनीक बदल गई है, जीवन की गति तेज हो गई है, परंतु हमारी इंद्रियां, भावनाएं और मन आज भी वैसे ही हैं। हम आंखों से देखते हैं, कानों से सुनते हैं, नाक से सूंघते हैं और सबसे बढ़कर मन के अधीन रहते हैं। यही मन हमें कभी ऊंचाइयों तक पहुंचाता है, तो कभी गिरा देता है। "दिल तो दिल है" कहकर हम अपनी कमजोरी छिपा लेते हैं, पर सच यह है कि मन का अनुशासन ही जीवन की सबसे बड़ी आवश्यकता है। आज का विद्यार्थी मोबाइल में उलझा हुआ है, जिम्मेदारियां टलती जा रही हैं, और मन की गुलामी बढ़ती जा रही है। सुबह जल्दी उठना हो या कोई जरूरी काम करना हो, मन बहाने बना देता है। यही स्थिति अर्जुन की भी थी। वह अपने कर्तव्य से डगमगा गया था, भावनाओं के वश में आकर युद्ध से भागना चाहता था। तब श्रीकृष्ण ने उसे गीता का उपदेश दिया, जिससे उसका मोह दूर हुआ और वह अपने कर्तव्य के लिए खड़ा हो गया। गीता हमें सिखाती है कि मन पर विजय ही सच्ची विजय है। यदि अर्जुन गीता के मार्गदर्शन से जीत सकता है, तो हम भी अपने जीवन के संघर्षों में विजयी हो सकते हैं। विज्ञान और प्रगति के इस युग में गीता का ज्ञान हमें संतुलन, अनुशासन और सही दिशा दे सकता है, जिससे न केवल हमारा जीवन सुंदर बने, बल्कि समाज भी अधिक शांत और सार्थक हो सके।।

जीवन ऊर्जा

विलियम पीटर ब्लैटी : जन्म 6 जनवरी 1883

जन्म

विलियम पीटर ब्लैटी (1928-2017) एक प्रखर अमेरिकी लेखक, पटकथा लेखक और निर्देशक थे, जिन्हें उनकी कालजयी कृति 'द एक्सोरसिस्ट' के लिए वैश्विक ख्याति मिली। ७ जनवरी को न्यूयॉर्क में जन्मे ब्लैटी का जीवन संघर्ष और गहरे आध्यात्मिक अन्वेषण का संगम था। यद्यपि उन्हें 'हॉरर' विधा का मास्टर माना जाता है, लेकिन उनका असली उद्देश्य डराना नहीं, बल्कि विश्वास और अविश्वास के बीच के द्वंद्व को खोजना था।

अंधेरे का अस्तित्व इस बात का प्रमाण है कि प्रकाश मौजूद है

उन्होंने अपनी लेखनी के माध्यम से यह संदेश दिया कि बुराई की उपस्थिति अंततः ईश्वर और अच्छाई की सत्ता को ही सिद्ध करती है। उनके कार्य को ऑस्कर और गोल्डन ग्लोब जैसे प्रतिष्ठित सम्मानों से नवाजा गया। ब्रह्मांड में बुराई का होना इस बात का सबसे बड़ा प्रमाण है कि अच्छाई भी कहीं न कहीं अपना अस्तित्व रखती है। आप बिना प्रकाश के परछाई नहीं देख सकते। मेरा मानना है कि मृत्यु केवल एक द्वार है, अंत नहीं। हमारे भीतर एक ऐसी आत्मा है जो भौतिक जगत की सीमाओं से परे है। अक्सर हम उन चीजों से डरते हैं जिन्हें हम समझ नहीं पाते, जबकि डर ही वह शक्ति है जो हमें सुरक्षा और सतर्कता सिखाती है। विश्वास कोई ऐसी वस्तु नहीं जिसे एक बार पाकर सहेज लिया जाए, यह एक निरंतर चलने वाला संघर्ष है। संशय होना स्वाभाविक है, क्योंकि संशय ही हमें सत्य की गहराई तक ले जाता है। यदि आप केवल वही देखते हैं जो आपकी आंखें दिखाती हैं, तो आप दुनिया के सबसे बड़े रहस्य को नजरअंदाज कर रहे हैं। बुराई अक्सर बहुत शांत और सामान्य दिखती है, वह अचानक हमला नहीं करती बल्कि धीरे-धीरे आपकी चेतना में जगह बनाती है। उससे बचने का एकमात्र तरीका अपनी

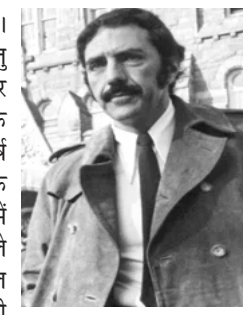

आंतरिक ऊर्जा और विश्वास को मजबूत रखना है। प्यार वह सबसे बड़ी ताकत है जो किसी भी अंधकार को मिटा सकती है। मानवता की सेवा ही ईश्वर की सबसे सच्ची प्रार्थना है। हम अक्सर चमत्कार बाहर ढूंढते हैं, जबकि सबसे बड़ा चमत्कार हमारे भीतर की करुणा और सहनशीलता है। जीवन एक पहेली की तरह है जिसके कुछ हिस्से हमेशा छिपे रहेंगे, और उन छिपे हुए हिस्सों को स्वीकार करना ही श्रद्धा है। हताशा के क्षणों में भी यह याद रखें कि रात चाहे कितनी भी लंबी क्यों न हो, सुबह का सूरज उसे मात देकर ही रहता है।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्यप्रदेश

जीवन जीने की कला: दृष्टिकोण, विशिष्टता और संतोष

सृष्टि के इस अनंत विस्तार में मनुष्य का जन्म एक महान अवसर है, लेकिन विडंबना यह है कि अधिकांश लोग केवल जीवित रहते हैं, जीना नहीं जानते। प्रत्येक मनुष्य को अपने जीवन के सफर में 'जीवन जीने की कला' का ज्ञान होना अनिवार्य है। यह कला किसी विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम में नहीं, बल्कि स्वयं के भीतर के बोध और प्रकृति के साथ हमारे सामंजस्य से सीखी जाती है। जीवन एक खाली कैनवास की तरह है; यह पूरी तरह हम पर निर्भर करता है कि हम अपने दृष्टिकोण और कर्मों से इस पर कैसे रंग भरते हैं। इस ब्रह्मांड का सबसे बड़ा और अटल सत्य यह है कि यह प्रकृति कभी किसी के साथ अन्याय नहीं करती। चाहे वह जड़ हो या चेतन, कोई निर्जीव वस्तु हो, पदार्थ हो अथवा समस्त प्राणी जगत—इस प्रकृति ने हर किसी के भीतर कुछ न कुछ विशिष्टता अवश्य प्रदान की है। यदि हम ध्यान से देखें, तो पाएंगे कि इस दुनिया में यदि कोई भी पूर्ण (Perfect) नहीं है, तो सर्वथा अपूर्ण भी कोई नहीं है। पूर्णता और अपूर्णता के बीच का यह संतुलन ही सृष्टि को चलायमान रखता है। अक्सर हम अपनी तुलना दूसरों से करने लगते हैं और खुद को कमतर आंकने की भूल कर बैठते हैं। लेकिन सच्चाई यह है कि जिसे हम 'कमी' कहते हैं, वह केवल हमारी विशिष्टता का दूसरा पहलू है। प्रकृति ने हर जीव को एक अलग उद्देश्य और एक अलग क्षमता के साथ रचा है। गुलाब की अपनी सुगंध है और मखमली घास की अपनी शीतलता; कोई भी एक-दूसरे का स्थान नहीं ले सकता। जीवन की सार्थकता और हमारी मानसिक शांति इस बात पर टिकी है कि हमारा दृष्टिकोण क्या है। सारा अंतर केवल इस बात का है कि आप अपने जीवन के किस पहलू पर नजर रखते हैं। हमारी चेतना अक्सर दो दिशाओं में भटकती है: या तो उस पर जो हमारे पास 'नहीं' है, या उस पर जो हमारे पास 'है'। यह एक कड़वा सच

हो सकता है कि जो सामने वाले के पास है, वह आपके पास नहीं हो। लेकिन जब आप जीवन को एक दूसरी दृष्टि से देखने का साहस करेंगे, तो आपको पता चलेगा कि जो आपके पास मौजूद है, वह इस दुनिया के कई प्रभावशाली लोगों के पास भी नहीं है। विडंबना यह है कि हम दूसरों के पास मौजूद संसाधनों को देखकर अपनी खुशियों का गला घोंट देते हैं। असली विकास तब शुरू होता है जब हम अभावों की शिकायत छोड़कर अपने पास मौजूद सामर्थ्य का उपयोग करना शुरू करते हैं। मानवता के मार्ग में सबसे बड़ा अवरोध 'ईर्ष्या' है। किसी की उपलब्धियों, सुख-सुविधाओं या प्रगति को देखकर मन में जलन का भाव पैदा होना एक सामान्य मानवीय कमजोरी हो सकती है, लेकिन इसे पालना आत्मघाती है। ईर्ष्या की आग दूसरों को जलाए न जलाए, पर वह उसे पालने वाले मनुष्य को भीतर से अवश्य जलाती है। यह आग सबसे पहले आपकी शांति, आपकी रचनात्मकता और आपके जीवन की खुशियों को भस्म कर देती है। इस ईर्ष्या की आग को और अधिक भड़कने से रोकने के लिए हमारे पास केवल दो ही अमोघ शस्त्र हैं— संतोष और ज्ञान। संतोष का अर्थ आलस्य या प्रयास छोड़ देना नहीं है, बल्कि इसका अर्थ यह है कि हम अपनी मेहनत से प्राप्त परिणामों का सम्मान करें और जो हमारे पास है उसमें आनंद ढूंढें। ज्ञान हमें यह सिखाता है कि हर व्यक्ति की यात्रा अलग है। जब संतोष और ज्ञान रूपी जल हमारे हृदय में प्रवाहित होता है, तो ईर्ष्या का धुआं स्वतः ही शांत हो जाता है। एक बेहतर और सुखी समाज का निर्माण तभी संभव है जब हम दूसरों की सफलता में अपनी खुशी ढूंढना शुरू करें। जीवन की कला यही है कि हम अपनी जड़ों से जुड़े रहें, अपने भीतर की विशिष्टता को निखारें और दूसरों को भी फलने-फूलने का सम्मान दें। अपनी खुशियों को ईर्ष्या की आग में झोंकने के बजाय, उन्हें कृतज्ञता के फूलों से महकाएं। याद रखें, जीवन एक छोटा सा प्रवास है। यहाँ से हम अपनी भौतिक उपलब्धियां नहीं, बल्कि अपना आचरण और अपने द्वारा बांटी गई खुशियां साथ ले जाते हैं।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

अपने विचार

आपको कितने वोट मिले? आपको एक बार जनता ने खारिज कर दिया तो आप अदालत के मंच का इस्तेमाल करते हुए राहत चाहते हैं! यदि किसी स्कीम से आपत्ति थी तो उसके खिलाफ बात करनी चाहिए थी। ऐसा नहीं हो सकता कि आप अदालत से किसी चुनाव को ही खारिज करने की बात करें।

-सूर्यकांत
चीफ जस्टिस

इस बात का कोई सवाल ही नहीं है कि प्रधानमंत्री के साथ ऐसा कुछ करने की योजना थी। प्रधानमंत्री लोकसभा अध्यक्ष के पीछे छिप रहे हैं और उनसे यह सब बुलवा रहे हैं। वह सदन में इसलिए नहीं आए क्योंकि तीन महिला सांसद उनकी सीट के सामने खड़ी थीं।

- प्रियंका गांधी,
सांसद, कांग्रेस

यह मत समझिए कि यह जांच किसी एक व्यक्ति के खिलाफ है, यह एक पूरे तंत्र के खिलाफ है। हमने जो कुछ किया है, वह सिर्फ एक प्रतिशत है, क्योंकि हम इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य, भारत सरकार से जुड़ा डेटा जुटा नहीं सके और न ही इंटरपोल का सहयोग ले पाए।

हेमंता विस्वा
सरमा, सीएम, असम

पार्टी हाई कमान ने साफ संकेत दे दिया है कि राज्य में कोई नेतृत्व परिवर्तन नहीं होगा, और उनके पिता सिद्धारमैया पूरे पांच साल तक मुख्यमंत्री रहेंगे। उन्होंने कहा कि सीएम बदलने का मुद्दा अब खत्म हो गया है और हाई कमान ने अब तक बदलाव की मांगों पर ध्यान नहीं दिया है।

-यतींद्र सिद्धारमैया
नेता, कर्नाटक

अपने विचार
डीबीडी कार्यालय
ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के.के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001
indiagroundreport@gmail.com
भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित. फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए ज्मिेदार).

ब्रीफ न्यूज़

सीनियर सिटिज़न के लिए डिजिटल पहचान पत्र योजना

ठाणे। ठाणे मनपा परिवहन सर्विस की बसों में यात्रा करने वाले 60 वर्ष और उससे अधिक उम्र के सीनियर सिटिज़न को डिजिटल पहचान पत्र देने का फैसला किया गया है, जिसके तहत आवेदन लेने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। फिलहाल ठाणे स्टेशन, कोपरी आगार, आनंद नगर और वागले आगार में आवेदन स्वीकार किए जा रहे हैं, जबकि बढ़ते रिस्पॉन्स को देखते हुए शनिवार 7 फरवरी 2026 से वृंदावन सोसाइटी, लोकमान्यनगर टर्मिनस, पवारनगर टर्मिनस और धर्मवीर चौक पर भी सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक आवेदन लिए जाएंगे। योजना के तहत डिजिटल पहचान पत्र के आधार पर 1 मार्च 2026 से नई व्यवस्था लागू करने की योजना है, हालांकि तब तक सीनियर सिटिज़न को पुराने सिस्टम के अनुसार मुफ्त यात्रा की सुविधा मिलती रहेगी।

रविवार को सांताक्रुज एवं गोरेगांव के बीच जम्बो ब्लॉक

मुंबई। पश्चिम रेलवे द्वारा ट्रैक, सिगनलिंग और ओवरहेड उपकरणों के अनुरक्षण कार्य के लिए रविवार 8 फरवरी 2026 को सांताक्रुज और गोरेगांव स्टेशनों के बीच अप एवं डाउन स्लो लाइन पर सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक पांच घंटे का जंबो ब्लॉक लिया जाएगा। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक के अनुसार, इस अवधि में स्लो लाइन की सभी लोकल ट्रेनें सांताक्रुज और गोरेगांव के बीच फास्ट लाइनों पर चलाई जाएंगी। ब्लॉक के दौरान प्लेटफॉर्म की अपर्याप्त लंबाई और उपलब्धता के कारण ये ट्रेनें विले पार्ले और राम मंदिर स्टेशनों पर नहीं रुकेंगी, हालांकि इन दोनों स्टेशनों पर हार्बर लाइन की चर्चगेट–गोरेगांव सेवाएं उपलब्ध रहेंगी। इस वजह से कुछ उपनगरीय सेवाएं रद्द रहेंगी, जबकि कुछ बोरीवली और अंधेरी सेवाएं हार्बर लाइन के जरिए गोरेगांव तक चलाई जाएंगी।

तीन जोड़ी स्पेशल ट्रेनों के फेरे विस्तारित

मुंबई। पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा अतिरिक्त भीड़ को समायोजित करने के उद्देश्य से बांद्रा टर्मिनस–भगत की कोठी, बांद्रा टर्मिनस–अजमेर तथा वलसाड–हिसार के बीच चल रही तीन जोड़ी स्पेशल ट्रेनों के फेरों को विस्तारित करने का निर्णय लिया गया है। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, ट्रेन संख्या 04828 बांद्रा टर्मिनस – भगत की कोठी साप्ताहिक स्पेशल के फेरों को 29 मार्च, 2026 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 04827 भगत की कोठी – बांद्रा टर्मिनस साप्ताहिक स्पेशल के फेरों को 28 मार्च, 2026 तक विस्तारित किया गया है। ट्रेन संख्या 09622 बांद्रा टर्मिनस – अजमेर साप्ताहिक स्पेशल के फेरों को 30 मार्च, 2026 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09621 अजमेर – बांद्रा टर्मिनस साप्ताहिक स्पेशल के फेरों को 29 मार्च, 2026 तक विस्तारित किया गया है।

मुंबई की कई एक्सप्रेस ट्रेनों के टर्मिनल बदले

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मध्य रेल ने परिचालन संबंधी कारणों और यात्री सुविधाओं के बेहतर प्रबंधन के लिए मुंबई से चलने वाली कई महत्वपूर्ण मेल व एक्सप्रेस ट्रेनों के टर्मिनल स्टेशनों में बदलाव करने का निर्णय लिया है। इस बदलाव के तहत छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस और दादर से संचालित होने वाली चुनिंदा ट्रेनों को अब लोकमान्य तिलक टर्मिनस से चलाया जाएगा।

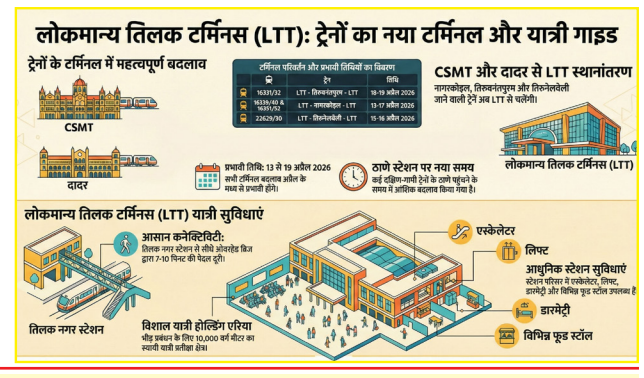

तिरुवनंतपुरम एक्सप्रेस अब एलटीटी से भरेगी उड़ान

गाड़ी संख्या 16331, CSMT–तिरुवनंतपुरम सेंट्रल एक्सप्रेस, 19 अप्रैल 2026 से अपने पुराने टर्मिनल CSMT के बजाय लोकमान्य तिलक टर्मिनस (LTT) से प्रस्थान करेगी। यह ट्रेन रात 20 .55 बजे LTT से रवाना होगी। इसी प्रकार, वापसी में गाड़ी संख्या 16332, तिरुवनंतपुरम–CSMT एक्सप्रेस, 18 अप्रैल 2026 से LTT पर शाम 18 .50 बजे अपनी यात्रा समाप्त करेगी। हालांकि, ठाणे से तिरुवनंतपुरम के बीच के समय में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

नागरकोइल एक्सप्रेस की समय सारणी में भी संशोधन

CSMT से नागरकोइल जाने वाली एक्सप्रेस ट्रेनों (16351 और 16339) के टर्मिनल में भी परिवर्तन किया गया है। ये ट्रेनें अब 14 और 17 अप्रैल 2026 से क्रमश: LTT से रात 20 .55 बजे प्रस्थान करेंगी। विशेष रूप से, ठाणे स्टेशन पर इनके आगमन और प्रस्थान के समय में आंशिक बदलाव किया गया है। अब ये ट्रेनें ठाणे में 21.07 बजे पहुँचेंगी और 21.10 बजे प्रस्थान करेंगी, जबकि कल्याण से नागरकोइल के बीच का समय पूर्ववत रहेगा।

वापसी दिशा में नागरकोइल-मुंबई का नया शेड्यूल

नागरकोइल से मुंबई आने वाली ट्रेन संख्या 16352 और 16340 अब अपने गंतव्य CSMT के स्थान पर लोकमान्य तिलक टर्मिनस पर रुकेंगी। यह परिवर्तन 13 और 16 अप्रैल 2026 से प्रभावी होगा। इन दोनों ट्रेनों के LTT पर पहुँचने का समय शाम 18 .50 बजे निर्धारित किया गया है। रेलवे ने स्पष्ट किया है कि कल्याण और नागरकोइल के बीच के मार्गस्थ स्टेशनों की समय सारणी में किसी प्रकार का बदलाव नहीं किया गया है।

तिरुनेलवेली-दादर सेवा के समापन स्टेशन में परिवर्तन

वापसी दिशा में, गाड़ी संख्या 22630 तिरुनेलवेली–दादर एक्सप्रेस 15 अप्रैल 2026 से लोकमान्य तिलक टर्मिनस पर समाप्त होगी। तिरुनेलवेली से आने वाली यह ट्रेन दोपहर 15 .00 बजे LTT पहुँचेगी। मध्य रेल के अधिकारियों के अनुसार, तिरुनेलवेली और ठाणे के बीच के मार्ग में समय सारणी पहले जैसी ही रहेगी। दादर के बजाय LTT पर टर्मिनेट होने से यात्रियों को कुर्ला और आसपास के क्षेत्रों के लिए बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी।

ठाणे स्टेशन पर यात्रियों के लिए महत्वपूर्ण सूचना

रेलवे ने ठाणे स्टेशन पर रुकने वाली कई ट्रेनों के समय में कुछ मिनटों की कटौती या संशोधन किया है। विशेष रूप से तिरुनेलवेली और नागरकोइल जाने वाली ट्रेनों के यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे प्रस्थान के नए समय की सावधानीपूर्वक जांच कर लें। अधिकांश ट्रेनों के प्रस्थान समय को 2 से 5 मिनट पहले किया गया है, ताकि ट्रेनों का परिचालन बिना किसी बाधा के सुचारू रूप से सुनिश्चित किया जा सके।

दादर-तिरुनेलवेली एक्सप्रेस का बदला ठिकाना

दादर से चलने वाली लोकप्रिय गाड़ी संख्या 22629, दादर–तिरुनेलवेली एक्सप्रेस, अब दादर के बजाय लोकमान्य तिलक टर्मिनस से अपनी सेवाएँ प्रदान करेगी। यह बदलाव 16 अप्रैल 2026 से लागू होगा। नई समय सारणी के अनुसार, यह ट्रेन LTT से रात 20 .45 बजे प्रस्थान करेगी। ठाणे स्टेशन पर इसके समय में मामूली संशोधन करते हुए आगमन 21.02 बजे और प्रस्थान 21.05 बजे तय किया गया है।

विदेशी पर्यटकों की पहली पसंद बना महाराष्ट्र

दीपक पवार । मुंबई

महाराष्ट्र भारत में पर्यटन के लिहाज से विदेशी सैलानियों की पहली पसंद बनता जा रहा है। पिछले तीन वर्षों में राज्य में आने वाले विदेशी पर्यटकों की संख्या दोगुनी से भी अधिक हो गई है। केंद्रीय पर्यटन और संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने राज्यसभा में बताया कि 2022 में जहां 15.12 लाख विदेशी पर्यटक महाराष्ट्र पहुंचे थे, वहीं 2024 में यह संख्या बढ़कर 37.05 लाख हो गई है।

2024 में देश में सबसे ज्यादा विदेशी पर्यटक महाराष्ट्र आए

केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, 2023 में महाराष्ट्र में 33 .88 लाख विदेशी पर्यटक आए, जो 2024 में बढ़कर 37 .05 लाख हो गए। खास बात यह है कि 2024 में भारत आने वाले कुल विदेशी पर्यटकों में से 17 .69 प्रतिशत ने महाराष्ट्र को अपना गंतव्य चुना, जिससे यह देश का सबसे बड़ा टूरिस्ट डेस्टिनेशन बन गया। मंत्रालय भारत को वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर मजबूत करने के लिए अंतरराष्ट्रीय पर्यटन प्रदर्शनियों, विदेशी टूर ऑपरेटरों और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स के लिए विशेष यात्राओं, रोड शो और इंडियन फूड फेस्टिवल जैसे कार्यक्रम आयोजित कर रहा है।

10वीं और 12वीं के परीक्षा की मदद के लिए 'राइडर्स' तैयार

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं को देखते हुए ठाणे ट्रैफिक पुलिस ने विशेष सुविधाएं उपलब्ध कराई हैं। पुलिस आयुक्त आशुतोष डुंबरे और अतिरिक्त पुलिस आयुक्त डॉ. ज्ञानेश्वर चव्हाण के मार्गदर्शन में यह व्यवस्था की गई है, ताकि परीक्षा के दिन छात्रों को किसी भी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े। ट्रैफिक जाम, वाहन खराब होने या देरी जैसी स्थिति में छात्रों की मदद के लिए सड़कों पर 54 राइडर्स तैनात किए गए हैं।

हेल्पलाइन और व्हाट्सएप नंबर जारी

ट्रैफिक पुलिस उपायुक्त पंकज शिरसाट ने बताया कि छात्रों और अभिभावकों की सहायता के लिए ट्रैफिक कंट्रोल हेल्पलाइन नंबर 8286300300 और 8286400400, साथ ही व्हाट्सएप नंबर 7039003866 जारी किया गया है। इसके अलावा ठाणे पुलिस आयुक्तालय के अंतर्गत 18 ट्रैफिक यूनिट्स के हेल्पलाइन नंबर भी उपलब्ध कराए गए हैं। किसी भी समस्या की सूचना मिलते ही ट्रैफिक पुलिस मौके पर पहुंचकर रुकावटें हटाएगी और छात्रों को सुरक्षित परीक्षा केंद्र तक पहुंचाने में मदद करेगी। महाराष्ट्र राज्य सेकेंडरी (10वीं) की परीक्षा 10 फरवरी से और हायर सेकेंडरी (12वीं) की परीक्षा 20 फरवरी से शुरू हो रही है। ठाणे पुलिस आयुक्तालय के जोन 1 से 5 में 12वीं के 126 और 10वीं के 223 परीक्षा केंद्र हैं। इन केंद्रों तक सुचारू आवागमन सुनिश्चित करने के लिए कंट्रोल रूम में तीन गाड़ियां भी तैनात रहेंगी।

सीनियर सिटिज़न के लिए डिजिटल आइडेंटिटी कार्ड योजना

ठाणे। ठाणे महानगरपालिका परिवहन सेवा की बसों में यात्रा करने वाले 60 वर्ष और उससे अधिक उम्र के वरिष्ठ नागरिकों को डिजिटल आइडेंटिटी कार्ड देने का निर्णय लिया गया है। इसके तहत सैंपल आवेदन बांटने और आवश्यक दस्तावेजों के साथ आवेदन जमा करने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। फिलहाल ठाणे स्टेशन, कोपरी आगार, आनंद नगर और वागले आगार में आवेदन स्वीकार किए जा रहे हैं। वरिष्ठ नागरिकों की बढ़ती सक्रियता को देखते हुए शनिवार 7 फरवरी 2026 से वृंदावन सोसाइटी, लोकमान्यनगर टर्मिनस, पवारनगर टर्मिनस और धर्मवीर चौक पर भी सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक आवेदन लिए जाएंगे। परिवहन विभाग ने स्पष्ट किया है कि डिजिटल आइडेंटिटी कार्ड के आधार पर यह योजना 1 मार्च 2026 से लागू करने की योजना है, हालांकि तब तक सभी आवेदकों को पुराने सिस्टम के अनुसार फ्री ट्रैवल कंसेशन मिलता रहेगा, जब तक उन्हें परिवहन विभाग का डिजिटल पहचान पत्र प्राप्त नहीं हो जाता।

22 फरवरी को नि:शुल्क न्यूरो मेडिकल शिविर

डीबीडी संवाददाता । उल्हासनगर

मस्तिष्क और रीढ़ से जुड़ी बीमारियों के लिए समय पर उपचार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी, उल्हासनगर में रविवार 22 फरवरी 2026 को सुबह 9 बजे से दोपहर 3 बजे तक एक निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जाएगा। यह शिविर सोलारिस सुपर स्पेशलिटी अस्पताल, अनुसया चैरिटेबल ट्रस्ट और भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी के संयुक्त सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। इस शिविर में मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी के ट्यूमर, दौरे, लगातार सिरदर्द और लकवा जैसी समस्याओं से पीड़ित मरीज विशेषज्ञों से निःशुल्क परामर्श ले सकेंगे। डॉक्टरों ने नागरिकों से अपील की है कि लगातार सिरदर्द या दृष्टि में कमी जैसी समस्याओं को नजरअंदाज न करें और समय रहते जांच कराएं।

उन्नत सर्जरी से दो मरीजों का सफल इलाज

डॉक्टरों ने जानकारी दी कि हाल ही में पुलिस अधिकारी अनिल बोराडे और अनिल सोनावाने के मस्तिष्क से पिट्यूटरी ग्रंथि के ट्यूमर को सफलतापूर्वक निकाला गया। दोनों मरीज लंबे समय से सिरदर्द और धुंधली दृष्टि की समस्या से पीड़ित थे। ठाणे स्थित सोलारिस अस्पताल में न्यूरो-नेविगेशन जैसी अत्याधुनिक तकनीक के जरिए उनका ऑपरेशन किया गया। न्यूरोसर्जन डॉ. अमित ऐवले ने बताया कि न्यूरो-नेविगेशन तकनीक मस्तिष्क के लिए 'जीपीएस' की तरह काम करती है, जिससे खोपड़ी खोले बिना नाक के रास्ते ट्यूमर को अत्यंत सटीकता से निकाला जा सकता है। इस प्रक्रिया में दर्द कम होता है और मरीज जल्दी स्वस्थ होकर घर लौट सकता है। न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. दीपक ऐवले के मार्गदर्शन में अब तक 100 से अधिक सफल सर्जरी की जा चुकी हैं।

अखिल भारतीय रेलवे सांस्कृतिक प्रतियोगिता में पश्चिम रेलवे अव्वल

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

पश्चिम रेलवे ने एक बार फिर अपनी सांस्कृतिक प्रतिभा का परचम लहराते हुए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर में आयोजित अखिल भारतीय अंतर रेलवे सांस्कृतिक संगीत प्रतियोगिता में ओवरऑल चैंपियन ट्रॉफी जीत ली है। दो दिवसीय यह प्रतियोगिता 2 और 3 फरवरी 2026 को आयोजित की गई, जिसमें देशभर से आए रेलवे कर्मचारियों ने अपनी संगीतमय प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया।

147 प्रतिभागियों ने दी मनमोहक प्रस्तुतियां

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस प्रतियोगिता में भारतीय रेल के 14 जोनल रेलवे, रेलवे बोर्ड और पांच उत्पादन इकाइयों सहित कुल 147 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने शास्त्रीय गायन, शास्त्रीय वाद्य, सुगम संगीत गायन और वादन जैसी विभिन्न श्रेणियों में प्रस्तुतियां देकर आयोजन को एक भव्य सांस्कृतिक उत्सव में बदल दिया। मुख्यालय, चर्चगेट के चैतन्य परब ने शास्त्रीय गायन श्रेणी में प्रथम पुरस्कार हासिल किया, जबकि प्रेरणा बाजे ने सुगम संगीत गायन में तृतीय स्थान प्राप्त किया। वाद्य संगीत श्रेणी में रतलाम मंडल के दिनेश भंवरिया और मुख्यालय के संतोष वाघमारे की प्रस्तुतियां विशेष रूप से सराही गईं। उन्हें कपिल देव, आदित्य मालवीय और दिनकर भगत का प्रभावी सहयोग मिला।

पत्रकार परिषद में बजट पर चर्चा लोकल से वोकल पर जोर

उल्हासनगर। केंद्र सरकार द्वारा पेश किए गए बजट को लेकर उल्हासनगर भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय में आयोजित पत्रकार परिषद में विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान भाजपा पदाधिकारियों ने बजट के विभिन्न प्रावधानों को शहर के व्यापारिक हितों से जोड़ते हुए महत्वपूर्ण जानकारी दी। पत्रकार परिषद को संबोधित करते हुए पूर्व जिला अध्यक्ष प्रदीप रामचंदानी ने कहा कि बजट का मुख्य उद्देश्य 'लोकल से वोकल' को बढ़ावा देना है। उन्होंने बताया कि छोटे व्यापारियों, एमएसएमई सेक्टर और स्थानीय उद्योगों को मजबूत करने के लिए बजट में कई अहम घोषणाएं की गई हैं, जिससे उल्हासनगर जैसे व्यापारिक शहर को सीधा लाभ मिलेगा।

व्यापार और रोजगार को मिलेगी गति

रामचंदानी ने कहा कि टैक्स सुधार, व्यापार को आसान बनाने की नीतियां, इंफ्रास्ट्रक्चर विकास और स्वरोजगार को प्रोत्साहन देने वाले प्रावधान व्यापारियों के लिए सकारात्मक साबित होंगे। इससे न केवल व्यापारिक गतिविधियों में तेजी आएगी, बल्कि रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।

12 राशिफल में देखें अपना दिन

मेष कारोबार लाभदायक रहेगा। नौकरी में चैन रहेगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। घरेलू कार्य समय पर होंगे। सुख-शांति बनी रहेगी। थकान व कमजोरी रहेगी। प्रतिद्वंद्विता बढ़ेगी। अविवाहितों के लिए वैवाहिक प्रस्ताव आ सकता है। कोर्ट व कचहरी में अनुकूलता रहेगी।

वृष भूमि व भवन के खरीद-फरोख्त की योजना बनेगी। बड़ा लाभ के योग हैं। परीक्षा व साक्षात्कार में सफलता प्राप्त होगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। व्यापार लाभदायक रहेगा। जल्दबाजी न करें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शत्रुता में वृद्धि हो सकती है।

मिथुन आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। कारोबार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहकर्मियों का साथ मिलेगा। जल्दबाजी न करें। धनागम होगा। थकान महसूस होगी। शारीरिक आराम की आवश्यकता रहेगी। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे।

कर्क परिवार के छोटे सदस्यों के अध्ययन तथा स्वास्थ्य संबंधी चिंता रहेगी। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। लापरवाही न करें। थोड़े प्रयास से ही कार्यसिद्धि होगी। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। निवेश में विवेक का प्रयोग करें। धनार्जन होगा।

सिंह कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। गृहिणियां विशेष सावधानी रखें। रसोई में चोट लग सकती है। अपेक्षित कार्यों में विलंब हो सकता है। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। विवाद से क्लेश हो सकता है।

कन्या विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। धनलाभ के अवसर हाथ आएंगे। पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बनेगा। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। पारिवारिक चिंता बनी रहेगी।

तुला आय में निश्चितता रहेगी। व्यवसाय-व्यापार लाभदायक रहेगा। पुराने शत्रु सक्रिय रहेंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें। किसी व्यक्ति से बेवजह विवाद हो सकता है। दु:खद समाचार प्राप्त हो सकता है, धैर्य रखें। शारीरिक कष्ट के योग हैं। लापरवाही न करें।

वृश्चिक उत्साह बढ़ेगा। कार्य की बाधा दूर होकर स्थिति लाभप्रद रहेगी। कोई बड़ी समस्या से छुटकारा मिल सकता है। अप्रत्याशित लाभ के योग हैं। सट्टे व लॉटरी से दूर रहें। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। प्रमाद न करें। शरीर साथ नहीं देगा।

धनु कार्यप्रणाली में सुधार होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। मित्रों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा। मान-सम्मान मिलेगा। कारोबारी अनुबंध होंगे। आशंका-कुशंका के चलते निर्णय लेने की क्षमता प्रभावित होगी। योजना में परिवर्तन हो सकता है।

मकर व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास मनोनुकूल रहेंगे। अपनी देनदारी समय पर चुका पाएंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। भाग्य का साथ मिलेगा। धनार्जन होगा। कोई ऐसा कार्य न करें जिससे कि नीचा देखना पड़े।

कुंभ किसी धार्मिक आयोजन में भाग लेने का अवसर प्राप्त हो सकता है। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति अनुकूल होगी। आय में वृद्धि होगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। रोमांस के मामले में समय खुशनुमा रहेगा। पूजा-पाठ में मन लगेगा।

मीन कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। नौकरी में अधिकारी की अपेक्षाएं बढ़ेंगी। तनाव रहेगा। कुसंगति से हानि होगी। दूसरों के कार्य की जवाबदारी न लें। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रेम-प्रसंग में जोखिम न लें। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। पुराना रोग उभर सकता है।

जन्मकुंडली और व्यापार का भाग्य-सफलता, संघर्ष और सही दिशा

प्रियंका जैन
9769994439

आज के प्रतिस्पर्धात्मक युग में करियर को लेकर हर व्यक्ति के सामने अनेक विकल्प हैं। कोई उच्च शिक्षा और प्रोफेशनल डिग्री के बाद नौकरी को सुरक्षित मार्ग मानता है, तो कोई स्वतंत्र व्यवसाय में ही अपने सपनों की उड़ान देखता है। बहुत से लोग शुरुआत से ही किसी न किसी व्यापार को अपनाने की इच्छा रखते हैं, पर वास्तविकता यह है कि जहाँ कुछ लोग व्यापार में आश्चर्यजनक सफलता प्राप्त करते हैं, वहीं कई लोग वर्षों की मेहनत, पूँजी निवेश और अथक प्रयासों के बावजूद अपेक्षित परिणाम नहीं पा पाते। कई बार तो लगाया गया धन भी डूब जाता है और व्यक्ति मानसिक व आर्थिक तनाव से घिर जाता है। ऐसे में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि क्या व्यापार में सफलता या असफलता केवल मेहनत और रणनीति पर निर्भर करती है, या इसके पीछे जन्मकुंडली में बने कुछ विशेष योग भी भूमिका निभाते हैं। वैदिक ज्योतिष के अनुसार, किसी भी व्यक्ति की आजीविका, कार्यक्षेत्र और आर्थिक उन्नति का गहरा संबंध उसकी जन्मकुंडली में ग्रहों की स्थिति और भावों की शक्ति से होता है।

जन्मकुंडली में दशम भाव को कर्म और आजीविका का आधार माना गया है। व्यक्ति किस प्रकार का कार्य करेगा, उसका सामाजिक और व्यावसायिक स्तर कैसा होगा, इन सबका संकेत दशम भाव देता है। किंतु जब बात केवल नौकरी की नहीं, बल्कि स्वतंत्र व्यापार और व्यवसाय की आती है, तब कुंडली के सप्तम और एकादश भाव अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाते हैं। सप्तम भाव स्वतंत्र व्यवसाय, साझेदारी और सार्वजनिक व्यवहार का सूचक है, जबकि एकादश भाव लाभ, आय और किए गए प्रयासों से मिलने वाले प्रतिफल को दर्शाता है। इसलिए किसी व्यक्ति को व्यापार में सफलता मिलेगी या नहीं, यह मुख्य रूप से सप्तम भाव, एकादश भाव और इनके स्वामियों की स्थिति पर निर्भर करता है।

व्यापार का नैसर्गिक कारक ग्रह बुध माना गया है। बुध बुद्धि, तर्कशक्ति, गणना, संवाद, सौदेबाजी और निर्णय क्षमता का प्रतिनिधित्व करता है। एक सफल व्यवसायी में जो चतुराई, समय पर निर्णय लेने की क्षमता और अवसर को पहचानने की समझ होती है, वह सब बुध की शक्ति से ही आती है। यदि कुंडली में बुध बलवान, शुभ और अनुकूल स्थिति में हो, तो व्यक्ति में व्यापार करने के स्वाभाविक गुण विकसित होते हैं। इसके विपरीत यदि बुध कमजोर, नीच या पाप ग्रहों से पीड़ित हो, तो व्यक्ति गलत निर्णय ले सकता है, अवसर चूक सकता है और व्यापार में नुकसान झेल सकता है।

व्यापारिक सफलता का सबसे निर्णायक तत्व कुंडली का लाभ स्थान अर्थात एकादश भाव होता है। व्यापार में पूँजी लगाना, जोखिम उठाना और फिर उससे लाभ प्राप्त करना—यह पूरा चक्र एकादश भाव की शक्ति पर टिका होता है। यदि एकादश भाव और उसका स्वामी बलवान हो, शुभ ग्रहों से युक्त या दृष्ट हो, तो व्यक्ति को व्यापार में किए गए निवेश का अच्छा प्रतिफल मिलता है। यही कारण है कि कई लोग सीमित संसाधनों के बावजूद तेज़ी से आगे बढ़ जाते हैं, जबकि कुछ लोग बड़े निवेश के बाद भी घाटे में रहते हैं।

जब कुंडली में सप्तमेश सप्तम भाव में स्थित हो, या सप्तम भाव पर सप्तमेश की शुभ दृष्टि हो, तो व्यक्ति में स्वतंत्र व्यवसाय की प्रवृत्ति प्रबल होती है और उसे व्यापार में स्थिरता मिलती है।

काम की तलाश में जौनपुर से सबसे अधिक पलायन करते हैं मजदूर

2.48 लाख मजदूर दूसरे राज्यों में कर चुके हैं पलायन

एजेंसी । नई दिल्ली

लोकसभा में सरकार द्वारा प्रस्तुत नवीनतम आंकड़ों ने उत्तर प्रदेश से होने वाले मजदूरों के पलायन की एक व्यापक तस्वीर पेश की है। केंद्र सरकार ने संसद में जानकारी दी है कि उत्तर प्रदेश के असंगठित क्षेत्र के 2,48,657 मजदूर रोजगार की तलाश में दूसरे राज्यों में पलायन कर चुके हैं। श्रम और रोजगार राज्य मंत्री शोभा कारान्दलाजे ने समाजवादी पार्टी की सांसदों—पुष्पेंद्र सरोज, प्रिया सरोज और इकरा चौधरी—द्वारा पूछे गए सवालों के लिखित जवाब में यह आंकड़े प्रस्तुत किए। सरकार ने स्पष्ट किया कि यह डेटा अगस्त 2021 में शुरू किए गए ई-श्रम पोर्टल पर श्रमिकों द्वारा किए गए स्व-पंजीकरण पर आधारित है, जिस पर अब तक देश भर के 31.49 करोड़ से अधिक कामगार जुड़ चुके हैं।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश में पलायन की दर सबसे कम

पलायन के विपरीत आंकड़ों में पश्चिमी उत्तर प्रदेश के जिलों की स्थिति अपेक्षाकृत बेहतर है। राज्य में सबसे कम पलायन हापुड़ जिले से दर्ज किया गया है, जहाँ से मात्र 293 मजदूर ही दूसरे राज्यों में गए हैं। इसी तरह, ललितपुर (687), शामली (755), सोनभद्र (845) और अमरोहा (849) ऐसे जिले हैं जहाँ पलायन की दर न्यूनतम रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में औद्योगिक विकास और दिल्ली-एनसीआर से निकटता के कारण स्थानीय मजदूरों को आसपास ही काम मिल जाता है, जिससे उन्हें लंबी दूरी तय करने की आवश्यकता नहीं पड़ती।

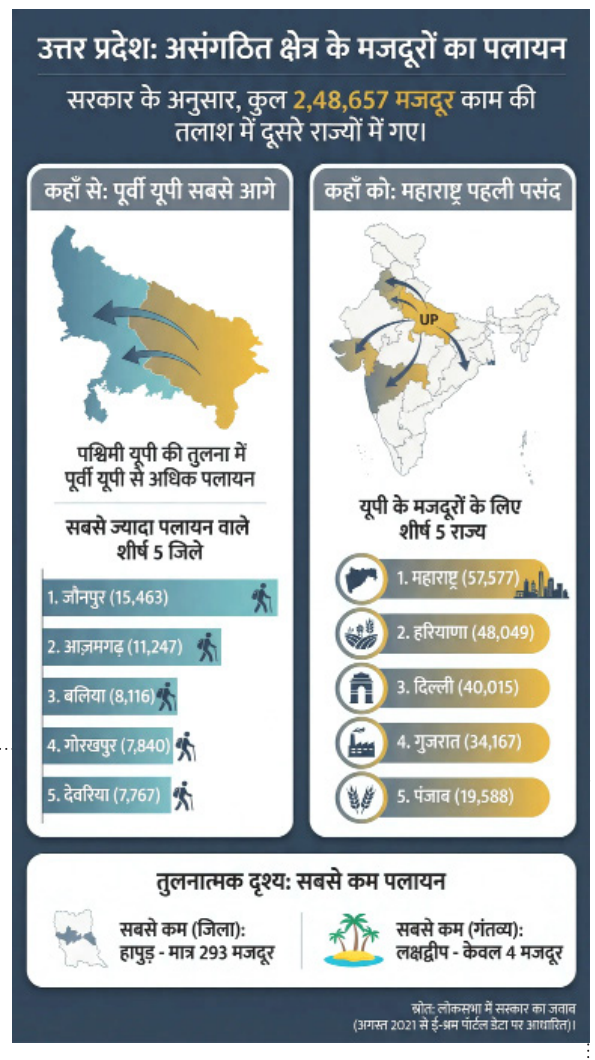

महाराष्ट्र बना पसंदीदा ठिकाना, लक्षद्वीप से दूरी

उत्तर प्रदेश के मजदूरों के लिए महाराष्ट्र रोजगार का सबसे बड़ा केंद्र बनकर उभरा है। पिछले पांच वर्षों में राज्य के 57,577 कामगारों ने महाराष्ट्र को अपना कार्यस्थल चुना है। इसके बाद हरियाणा (48,049), दिल्ली (40,015), गुजरात (34,167) और पंजाब (19,588) का स्थान है। इसके उलट, केंद्र शासित प्रदेश लक्षद्वीप उत्तर प्रदेश के मजदूरों के लिए सबसे कम आकर्षक रहा है, जहाँ केवल 4 मजदूर काम करने गए हैं। संसद में सांसदों ने प्रवासी मजदूरों के कल्याण के लिए चलाई जा रही योजनाओं पर भी सवाल किए।

पूर्वी उत्तर प्रदेश पलायन का केंद्र, जौनपुर सबसे आगे

सरकारी आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि पलायन के मामले में पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी क्षेत्र की तुलना में कहीं अधिक प्रभावित है। जौनपुर जिला इस सूची में शीर्ष पर है, जहाँ से सर्वाधिक 15,463 मजदूरों ने पलायन किया है। इसके बाद आजमगढ़ (11,247), बलिया (8,116), गोरखपुर (7,840) और देवरिया (7,767) का नंबर आता है। ये सभी जिले पूर्वी उत्तर प्रदेश के हैं, जो यह दर्शाता है कि इस क्षेत्र में स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसरों की भारी कमी है, जिसके कारण बड़ी आबादी को दूसरे राज्यों का रुख करना पड़ रहा है।

तमाड़ में आग की आड़ में गोलीकांड

महिला की निर्मम हत्या, 6 आरोपी गिरफ्तार

एजेंसी ।रांची।

रांची जिला के तमाड़ थाना क्षेत्र की तालाडीह मानकीडीह निवासी एतवारी कुमार की आग में जलने से संदिग्ध मौत के मामले में नया खुलासा करते हुए बुंडू डीएसपी ओमप्रकाश ने इसे हत्या करार दिया और इसकी गुत्थी सुलझाने का दावा किया। जांच में सामने आया कि आग लगने की घटना के पीछे साजिश के तहत की गई गोलीबारी में युवती की जान गई है। इसका मतलब है कि उसकी हत्या गोली मारकर की गई है।

हथियार भी बरामद

पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के निर्देश पर बुंडू डीएसपी ओमप्रकाश द्वारा टीम गठित कर छापेमारी की गई। जिसमें सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि सभी आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। घटना में प्रयुक्त हथियार समेत अन्य साक्ष्य भी बरामद किए गए हैं।

पोस्टमार्टम में हुआ खुलासा

पुलिस के अनुसार, महिला की मौत आग लगने की घटना में होने की सूचना मिली थी। प्रथम दृष्टया मामला आग से झुलसकर मौत का प्रतीत हो रहा था, लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट में महिला की मौत गोली लगने से होने की पुष्टि हुई। जिसके बाद मामले ने नया मोड़ ले लिया। जांच में खुलासा हुआ कि आरोपियों ने पूर्व नियोजित साजिश के तहत महिला की गोली मारकर हत्या की और साक्ष्य छिपाने के उद्देश्य से घर में आग लगा दी। घटना को हादसे का रूप देने की पूरी कोशिश की गई थी।

जुगसलाई में 'जुड़वा' बच्चों पर फंसा पेंच

कांग्रेस समर्थित प्रत्याशी का पर्चा रद्द

पूर्वी सिंहभूम: झारखंड में जब से नगर निकाय चुनाव की घोषणा हुई है तब से राज्य में सियासी सरगर्मी तेज हो गयी है। भले ही यह चुनाव गैर दलीय हो रहा है लेकिन सभी प्रमुख पार्टियों ने अपने समर्थित प्रत्याशियों को जीताने के लिए जी तोड़ मेहनत कर रहे हैं। यही वजह है कि हर दिन किसी न किसी वजह से जिला प्रशासन के साथ किच किच हो रहा है। ताजा मामला जुगसलाई नगर परिषद क्षेत्र का है जहां अध्यक्ष पद के लिए चुनाव लड़ रही कांग्रेस समर्थित प्रत्याशी आरती चौधरी का नामांकन रद्द कर दिया गया है। दरअसल उनके तीन बच्चे हैं जबकि नियमावली के अनुसार जिन प्रत्याशियों के तीन बच्चे हैं वह चुनाव नहीं लड़ सकता है। हालांकि जिन लोगों का तीसरा बच्चा साल 2013 से पहले हुआ है उनके लिए यह नियम लागू नहीं है।

प्रत्याशी आरती चौधरी ने दिया स्पष्टीकरण

इस पूरे मामले पर प्रत्याशी आरती चौधरी का कहना है कि उनके पहले एक संतान हुई थी और दूसरी बार जुड़वा बच्चों का जन्म हुआ। उन्होंने स्पष्ट किया कि जुड़वा बच्चे के मामले में तीन बच्चों का प्रावधान लागू नहीं होता है और इसे सुप्रीम कोर्ट भी मान्यता दे चुका है।

31 जनवरी से गायब हैं जयनगर के 10 बिरहोर बच्चे

एजेंसी । जयनगर

जयनगर थाना क्षेत्र के गडियाई बिरहोर टोला से पिछले 31 जनवरी से 10 बिरहोर बच्चे लापता हैं। बताया जाता है कि बच्चे अपने परिजनों के साथ परसाबाद के एक भोज कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। वहां से बड़े तो लौट गए, लेकिन बच्चे अब तक नहीं लौटे हैं। बच्चों के लगातार सात दिनों तक लापता रहने से बिरहोर टोला में हडकंप मच गया है और बच्चों की तलाश तेज कर दी गयी है। इस मामले की जानकारी पिछले दिन बेरोगाई पंचायत के मुखिया राजेंद्र प्रसाद यादव ने पुलिस प्रशासन और प्रखंड विकास पदाधिकारी को दी। गुरुवार देर शाम को बच्चे के परिजनों ने थाना पहुंचकर पुलिस से अपनी शिकायत कर इंसाफ की गुहार लगायी। इसके बाद प्रशासन सक्रिय हुआ।

ये बच्चे हैं लापता

लापता बच्चों में 7 वर्षीय निशा कुमारी, 5 वर्षीय रमेश कुमार दोनों के पिता राजेश बिरहोर, 8 वर्षीय सजनी बिरहोर पिता केला बिरहोर, बिरजू बिरहोर, मिथुन बिरहोर, शिवानी बिरहोर, कल्पना बिरहोर सभी के पिता धनकू बिरहोर, 8 वर्षीय रेखा बिरहोर पिता सुरेश बिरहोर, 6 वर्षीय अनीषा बिरहोर पिता बुधन बिरहोर के नाम शामिल है।

फर्जी ट्रेडिंग एप से एक करोड़ की साइबर ठगी का खुलासा

दो अपराधियों को किया गिरफ्तार

आजमगढ़। नेक्स्ट ट्रेड नामक फर्जी ट्रेडिंग एप के माध्यम से की जा रही संगठित ऑनलाइन साइबर ठगी का बृहस्पतिवार को पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। अब तक की जांच में सामने आया है कि यह गिरोह देशभर में करीब एक करोड़ की साइबर ठगी को अंजाम दे चुका है। इस संबंध में विभिन्न राज्यों से

लगभग 12 शिकायतें प्राप्त हुई हैं। पुलिस ने इस मामले में दो साइबरों ठगों को गिरफ्तार किया है। नोडल अधिकारी एसपी यातायात विवेक त्रिपाठी ने बताया कि थाना साइबर क्राइम में पंजीकृत प्राथमिकी के तहत यह कार्रवाई की गई है। इसमें पीड़ित अशोक कुमार अग्रवाल, निवासी बदरका, थाना कोतवाली ने शिकायत दर्ज कराई कि उन्होंने फेसबुक पर नेक्स्ट ट्रेड का विज्ञापन देखकर दिए गए मोबाइल नंबर पर संपर्क किया। अभियुक्तों ने अधिक मुनाफे का लालच देकर उन्हें नेक्स्ट ट्रेड नामक फर्जी ऐप डाउनलोड कराया और निवेश के लिए प्रेरित किया। विश्वास में आकर पीड़ित द्वारा कुल 8,99,000 रुपये की धनराशि निवेश की गई।

अभी कई आरोपी चल रहे फरार

एसपी यातायात ने बताया कि पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि उनके और भी कई साथ हैं जो इस कार्य में लिप्त हैं। इनमें गोपाल भदौरिया जो कोटक बैंक का ही कर्मी है। इसके अलावा माधव, राकी और प्रीतम शामिल हैं। इनमें से प्रीतम यस बैंक का कर्मी है।

व्यापार जगत

मुनाफावसूली से चांदी में 13,000 रुपये की गिरावट

एजेंसी । नई दिल्ली

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में शुक्रवार को बहुमूल्य धातुओं की कीमतों में तेज गिरावट दर्ज की गई। निवेशकों की लगातार दूसरे दिन मुनाफावसूली के चलते चांदी करीब पांच प्रतिशत टूट गई, जबकि सोने के भाव में भी भारी गिरावट आई। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, चांदी 13,000 रुपये यानी 4.85 प्रतिशत गिरकर 2,55,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों समेत) रह गई, जो एक दिन पहले 2,68,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी।

सोना भी फिसला, 10 ग्राम पर 3,400 रुपये की गिरावट

इसी तरह 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 3,400 रुपये यानी 2.12 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,57,200 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया। इससे पहले इसका बंद भाव 1,60,600 रुपये प्रति 10 ग्राम था। सर्राफा कारोबारियों का कहना है कि घरेलू बाजार में ऊंचे स्तरों पर मुनाफावसूली की वजह से कीमतों पर दबाव बना रहा।

वैश्विक बाजार में बाद में आई तेजी

हालांकि अंतरराष्ट्रीय बाजारों में दिन के उत्तरार्द्ध में कीमती धातुओं की कीमतों में जोरदार सुधार देखा गया। शुरुआती गिरावट के बाद हाजिर चांदी 3.02 डॉलर यानी 4.26 प्रतिशत बढ़कर 74 डॉलर प्रति औंस हो गई, जबकि सत्र की शुरुआत में यह करीब 10 प्रतिशत टूटकर 64.08 डॉलर प्रति औंस तक आ गई थी। वहीं हाजिर सोना 106.74 डॉलर यानी 2.23 प्रतिशत की बढ़त के साथ 4,887.30 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया। जानकारों के मुताबिक, अमेरिका के कमजोर रोजगार आंकड़ों से कीमती धातुओं को समर्थन मिला, लेकिन अमेरिका-ईरान बातचीत में सफलता की उम्मीदों ने तेजी को सीमित कर दिया।

एनएसई के बोर्ड ने आईपीओ के लिए दिया अप्रूवल

इश्यू पूरी तरह ऑफर फॉर सेल होगा, लिस्टिंग प्रोसेस के लिए कमेटी भी बनाई

एजेंसी । नई दिल्ली

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE) के बोर्ड ने IPO के लिए अप्रूवल दे दिया है। ये IPO पूरी तरह ऑफर फॉर सेल यानी OFS होगा, जिसमें मौजूदा शेयरहोल्डर्स अपनी हिस्सेदारी बेचेंगे। बोर्ड ने IPO के लिए कमेटी का भी गठन किया है, जो पूरी लिस्टिंग प्रोसेस को देखेगी। SEBI से हाल ही में नो-ऑब्जेक्शन (NOC) मिलने के बाद ये फैसला आया है, जो भारत के कैपिटल मार्केट के लिए एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। NSE ने कहा कि IPO पूरी तहर OFS होगा। कंपनी नए शेयर जारी नहीं करेगी। लिस्टिंग NSE-BSE दोनों स्टॉक एक्सचेंज पर हो सकती है, लेकिन ये रेगुलेटरी अप्रूवल, मार्केट कंडीशंस और अन्य फैक्टर्स पर निर्भर रहेगा। NSE भारत का सबसे बड़ा स्टॉक एक्सचेंज है, जहां ट्रेडिंग वॉल्यूम सबसे ज्यादा होता है।

IPO के लिए 10 साल का इंतजार खत्म

NSE का IPO करीब एक दशक से पेंडिंग था। हाल ही में SEBI से नो-ऑब्जेक्शन मिला, जिसके बाद बोर्ड ने ये फैसला लिया। पहले भी कोशिशें हुई थीं, लेकिन रेगुलेटरी क्लियरेंस नहीं मिल पाया था। अब NSE लिस्टेड कंपनी बनेगी, जो उसके लिए नया चैप्टर होगा। एनालिस्ट्स के मुताबिक ग्रे मार्केट में NSE की वैल्यूएशन 5 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा है। NSE के करीब 1.77 लाख शेयरहोल्डर्स हैं। कुछ रिपोर्ट्स में कहा गया है कि OFS में करीब 4-4.5% शेयर बेचे जा सकते हैं, जिसकी वैल्यू लगभग 23,000 करोड़ रुपए हो सकती है। बड़े शेयरहोल्डर्स जैसे LIC, SBI और टेमासेक अपनी हिस्सेदारी बेच सकते हैं।

बोर्ड ने IPO के लिए कमेटी का गठन किया

बोर्ड ने IPO कमेटी को रीकंस्टीट्यूट किया है। इस कमेटी की अध्यक्षता टेबलेश पांडे करेंगे। कमेटी मेंबर्स में पब्लिक इंटरेस्ट डायरेक्टर्स श्रीनिवास इंजेती, प्रोफेसर ममता बिस्वाल, अभिलाषा कुमारी, प्रोफेसर सिवकुमार शामिल हैं। साथ ही NSE के MD और CEO अशिश चौहान भी कमिटी में हैं। कमेटी बोर्ड द्वारा दिए गए कामों को करेगी, लिस्टिंग प्रक्रिया को डिफाइन करेगी और मर्चेंट बैंकर, लीगल एडवाइजर नियुक्त करने के क्राइटेरिया तय करेगी। ये कमिटी DRHP (ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रोस्पेक्टस) तैयार करने में मदद भी करेगी।

रुपया 36 पैसे टूटकर 90.70 प्रति डॉलर पर

मुंबई। अमेरिकी मुद्र के मुकाबले रुपया शुक्रवार को 36 पैसे टूटकर 90.70 (अस्थायी) पर बंद हुआ। इस गिरावट का कारण अमेरिका-ईरान वार्ता को लेकर भू-राजनीतिक अनिश्चितता और वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में तेज वृद्धि रही। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार, रुपया सत्र के पहले भाग में रिजर्व बैंक द्वारा मुख्य ऋण दरों को यथावत रखने की घोषणा के बाद थोड़ा मजबूत हुआ, लेकिन विदेशी निवेशकों की लगातार निकासी ने घरेलू मुद्रा पर दबाव डाला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 90.28 पर खुला और सत्र के दौरान 90.18 के उच्चस्तर तक गया और 90.83 के निचले स्तर तक आया। अंततः यह 36 पैसे टूटकर 90.70 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ।

रेपो रेट में बदलाव नहीं, लोन महंगा नहीं होगा

मुंबई। इस बार रेपो रेट में बदलाव नहीं किया गया है। इसे 5.25% पर बरकरार रखा है। यानी लोन महंगे नहीं होंगे और आपकी EMI भी नहीं बढ़ेगी। RBI गवर्नर संजय मल्होत्रा ने आज 6 फरवरी को मॉनीटरी पॉलिसी कमेटी की मीटिंग में लिए फैसलों की जानकारी दी। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया यानी, RBI ने दिसंबर में ब्याज दर 0.25% घटाकर 5.25% की थीं। RBI जिस रेट पर बैंकों को लोन देता है उसे रेपो रेट कहते हैं। जब RBI रेपो रेट घटाता है, तो बैंकों को सस्ता कर्ज मिलता है और वो इस फायदे को ग्राहकों तक पहुंचाते हैं। फरवरी 2025 में ब्याज दरों को 6.5% से घटाकर 6.25% कर दिया था। मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी की ये कटौती करीब 5 साल बाद की गई थी। दूसरी बार अप्रैल में हुई मीटिंग में भी ब्याज दर 0.25% घटाई गई। जून में तीसरी बार RBI में दरों में 0.50% कटौती की थी। दिसंबर में 0.25% की कटौती के बाद ब्याज दरें 5.25% पर आ गई थी। रिजर्व बैंक ने एक नया फ्रेमवर्क लाने का प्रस्ताव रखा है, जिसके तहत छोटे अमाउंट वाले फ्रॉड ट्रांजैक्शन में नुकसान झेलने वाले ग्राहकों को 25 हजार तक का मुआवजा दिया जाएगा।

आठ देशों में यूपीआई सेवाओं का बज रहा डंका

23 देशों से करार और जनवरी में लेनदेन का रिकॉर्ड

नई दिल्ली। भारत का 'डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर' (डीपीआई) अब केवल सफलता की घरेलू कहानी नहीं रही, बल्कि यह वैश्विक कूटनीति और तकनीक के क्षेत्र में नेतृत्व का एक शक्तिशाली उपकरण बन गया है। सरकार ने शुक्रवार को संसद में बताया कि यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस अब संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), फ्रांस और सिंगापुर सहित आठ से अधिक देशों में लाइव हो चुका है। इसके साथ ही, भारत ने अपने 'इंडिया स्टैक' और डीपीआई मॉडल को साझा करने के लिए दुनिया के 23 देशों के साथ समझौतों पर भी हस्ताक्षर किए हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने राज्यसभा में यह जानकारी साझा करते हुए बताया कि भारत वैश्विक फिनटेक परिदृश्य में अपनी स्थिति मजबूत कर रहा है।

23 देशों के साथ रणनीतिक समझौते

सरकार ने 'इंडिया स्टैक' ढांचे के तहत डीपीआई को अपनाने और इसे दोहराने के लिए 23 देशों के साथ समझौतों या एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं। जितिन प्रसाद ने स्पष्ट किया कि ये समझौते भारत की व्यापक 'डीपीआई कूटनीति' के अनुरूप हैं।

चांदी में 13000 रुपये की भारी गिरावट, सोना भी फिसला

एजेंसी । नई दिल्ली

सोने और चांदी की कीमतों में लगातार दूसरे दिन भारी मुनाफावसूली दिखी। वैश्विक तनाव में थोड़ी नरमी के संकेतों के बीच शुक्रवार को घरेलू सर्राफा बाजार में कीमती धातुओं की कीमतों में तेज गिरावट दर्ज की गई। दिल्ली में चांदी की कीमतें 13,000 रुपये तक लुढ़क गईं, जबकि सोना भी अपने रिकॉर्ड स्तर से नीचे आ गया। हालांकि, भारतीय बाजार बंद होने दौरान अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भारी उतार-चढ़ाव और रिकवरी का दौर देखा गया।

घरेलू बाजार: चांदी 2.55 लाख रुपये पर

'ऑल इंडिया सर्राफा एसोसिएशन' के आंकड़ों के अनुसार, शुक्रवार को चांदी की कीमतों में 4.85% की भारी गिरावट आई। यह सफेद धातु 13,000 रुपये टूटकर 2,55,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) पर बंद हुई। इससे पहले गुरुवार को यह 2,68,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। सोने की चमक भी फीकी पड़ी है। 99.9% शुद्धता वाला सोना 3,400 रुपये या 2.12% की गिरावट के साथ 1,57,200 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ, जबकि पिछले सत्र में इसका भाव 1,60,600 रुपये था। कारोबारियों का कहना है कि घरेलू कीमतों में यह गिरावट मुख्य रूप से ऊंचे स्तरों पर मुनाफावसूली के कारण आई है।

15 छक्के और 15 चौके...

वंडर बॉय वैभव सूर्यवंशी ने हरारे में मचाया हाहाकार

फाइनल में जड़ा ताबड़तोड़ शतक, 80 बॉल पर बनाए

अंडर19 वर्ल्ड कप फाइनल

एजेंसी । हरारे

वंडर बॉय वैभव सूर्यवंशी ने अंडर19 वर्ल्ड कप के फाइनल में बल्ले से ऐसा धमाका किया है जिसके किस्से सालों तक सुनाए जाएंगे। गुनगुनाए जाएंगे। ऐसी पारी जो यूथ वनडे के इतिहास में अमर हो चुकी है। 14-15 बरस की कच्ची उमर का ये धाकड़ खिलाड़ी और अंडर19 वर्ल्ड कप के फाइनल का बहुत बड़ा मंच। पूरे टूर्नामेंट में शतक लगाने से वंचित रहने वाले इस खिलाड़ी ने शतक के लिए चुना भी तो इंग्लैंड के खिलाफ फाइनल को। सिर्फ 80 गेंदों में 175 रन ठोक डाले। 15 चौके और इतने ही छक्के। 218.75 का स्ट्राइक रेट। वैभव सूर्यवंशी ने अपनी इस तूफानी पारी से कई रिकॉर्ड अपने नाम किए।

अंडर19 वर्ल्ड कप इतिहास का दूसरा सबसे तेज शतक

वैभव सूर्यवंशी ने इंग्लैंड के खिलाफ फाइनल में सिर्फ 55 गेंदों में शतक पूरा किया। ये अंडर 19 वर्ल्ड कप इतिहास का दूसरा सबसे तेज शतक है। ऑस्ट्रेलिया के विल मलाजकज्क ने इसी वर्ल्ड कप में जापान के खिलाफ मैच में सिर्फ 51 गेंद में शतक जड़ा था।वैभव सूर्यवंशी की ये पारी वर्ल्ड कप के इतिहास में फाइनल में खेली गई किसी भी बल्लेबाज की अब तक की सबसे बड़ी पारी है। उन्होंने 175 रन बनाए। इससे पहले ये रिकॉर्ड भारत के ही उन्मुक्त चंद के नाम था जिन्होंने 2012 के अंडर 19 वर्ल्ड कप फाइनल में नाबाद 111 रन की पारी खेली थी।

अंडर 19 वर्ल्ड कप फाइनल में शतक लगाने वाला सबसे युवा खिलाड़ी

वैभव सूर्यवंशी अंडर वर्ल्ड कप के इतिहास में फाइनल मुकाबले में शतक लगाने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने 14 वर्ष और 316 दिन की उम्र में ये शतक जड़ा।

100+ स्ट्राइक रेट से U19 वर्ल्ड कप में 4 फिफ्टी+ पारी खेलने वाले पहले बल्लेबाज

वैभव सूर्यवंशी की इस अंडर19 वर्ल्ड कप में ये चौथी फिफ्टी प्लस पारी थी और इन सभी पारियों में उनका स्ट्राइक रेट 100 से ऊपर का रहा है। अंडर19 वर्ल्ड कप इतिहास में ऐसा करने वाले वह पहले बल्लेबाज हैं।

यूथ ओडीआई में किसी भारतीय का दूसरा सर्वोच्च स्कोर

वैभव सूर्यवंशी की 175 रन की ये पारी यूथ ओडीआई में किसी भी भारतीय की खेली गई दूसरी सबसे बड़ी पारी है। सबसे बड़ी पारी का रिकॉर्ड अंबाती रायुडू के नाम है जिन्होंने 2002 में इंग्लैंड के ही खिलाफ 177 रन बनाए थे।

अंडर19 वर्ल्ड कप में भारत के लिए सबसे बड़ी पारी

वैभव सूर्यवंशी ने अंडर19 वर्ल्ड कप के इतिहास में भारत के लिए सबसे बड़ी पारी खेली है। इससे पहले ये रिकॉर्ड राज बावा के नाम था जिन्होंने 2022 के अंडर 19 वर्ल्ड कप में यूगांडा के खिलाफ नाबाद 162 रन की पारी खेली थी। वैभव सूर्यवंशी ने अपनी पारी के दौरान 15 छक्के जड़े। ये अंडर19 वर्ल्ड कप इतिहास ही नहीं, यूथ ओडीआई के इतिहास में भी किसी भी मैच में किसी एक खिलाड़ी की तरफ से जड़े गए सबसे ज्यादा सिक्स हैं। सूर्यवंशी ने अपने ही रिकॉर्ड में सुधार किया है।

किसी एक मैच में संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा बाउंड्री

वैभव सूर्यवंशी ने अपनी पारी के दौरान 30 बाउंड्री लगाई जो यूथ ओडीआई के किसी भी मैच में किसी बल्लेबाज के संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा बाउंड्री है। हर्षिता बोयागोडा ने भी 2018 में अपनी 191 रन की पारी के दौरान 30 बाउंड्री लगाई थी। उन्होंने 28 चौके और 2 छक्के जड़े थे।

किसी यूथ ओडीआई में बाउंड्री के जरिए सबसे ज्यादा रन

वैभव सूर्यवंशी ने अपनी पारी के दौरान 150 रन तो सिर्फ चौकों और छक्कों से बनाए हैं। उन्होंने 15 चौके और 15 छक्के जड़े। ये किसी भी यूथ ओडीआई में किसी बल्लेबाज द्वारा बाउंड्री के जरिए बनाए गए सबसे ज्यादा रन हैं। इससे पहले ये रिकॉर्ड हसिता बोयागोडा के नाम था जिन्होंने 2018 में केन्या के खिलाफ 191 रन की अपनी पारी के दौरान 124 रन चौकों-छक्कों से जुटाए थे।

यूथ ओडीआई में सबसे तेज 150 रन

वैभव सूर्यवंशी ने 71 गेंदों में 150 रन पूरे किए। ये यूथ ओडीआई में किसी भी बल्लेबाज द्वारा सबसे तेज 150 रन का रिकॉर्ड है। इस मामले में उन्होंने अपने ही 84 गेंद में 150 रन के रिकॉर्ड को और बेहतर किया है जो उन्होंने अंडर 19 एशिया कप में यूएई के खिलाफ बनाया था।

जरूरत पड़ी तो दो स्पिनर उतरेंगे : सूर्यकुमार

विश्व कप

मुंबई। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने शुक्रवार को कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो भारत दो स्पिनरों को खिलाने से संकोच नहीं करेगा। उन्होंने साथ ही चक्रवर्ती और कुलदीप को लेकर चयन की उलझन को 'बहुत अच्छा सिरदर्द' बताया। उन्होंने कहा, यह एक अतिरिक्त फायदा है कि आपके पास इतने अच्छे गेंदबाज उपलब्ध हैं। लेकिन साथ ही आपको टीम संयोजन भी देखना होता है कि किस प्रतिद्वंद्वी टीम के खिलाफ किसे खिलाया जाए। अगर जरूरत होगी कि हम दो स्पिनर या दो कलाई के स्पिनर को खिला सकते हैं तो हम निश्चित रूप से ऐसा करेंगे। लेकिन चक्रवर्ती और कुलदीप जैसे विकल्प होना हमेशा अच्छा होता है। ये दुनिया के बेहतरीन स्पिनरों में से हैं और यह एक बहुत अच्छा सिरदर्द है। सूर्यकुमार ने यह भी कहा कि टीम के पास दाएं हाथ के बल्लेबाजों की तुलना में बाएं हाथ के बल्लेबाज ज्यादा होना भी एक अच्छी परेशानी है। ईशान के अभिषेक के साथ पारी की शुरुआत करने की उम्मीद है। जब उनसे पूछा गया कि क्या यह टीम प्रबंधन के लिए चिंता का विषय है तो सूर्यकुमार ने जवाब दिया, क्या आप चौके-छक्के लगते हुए देखना पसंद नहीं करते? मुझे लगता है कि यह एक अच्छी परेशानी है।

ईशान करेंगे पारी की शुरुआत

सूर्यकुमार ने माना कि मौजूदा फॉर्म को देखते हुए ईशान ही पारी की शुरुआत करेंगे। उन्होंने कहा, निश्चित तौर पर उन्होंने जिस तरह से पिछले पांच मैच में खेला है और ये अंतरराष्ट्रीय मैच थे तो उनका प्रदर्शन इतना ज्यादा नोटिस किया गया। उसने सैयद मुश्ताक अली टी-20 ट्रॉफी में भी इसी तरह से बल्लेबाजी की थी और इसे यहां भी जारी रखा है। उसे तीसरे नंबर पर मौका मिला और फिर उसने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अभ्यास मैच में पारी का आगाज किया। मुझे उम्मीद है कि वह बल्लेबाजी क्रम में जिस भी स्थान पर खेले, इसी तरह से बल्लेबाजी करता रहे। वह तीसरे नंबर से नीचे बल्लेबाजी नहीं करेगा। लेकिन जो भी मौका मिले, उसे इसी तरह से बल्लेबाजी करनी चाहिए।

हम भी विश्व कप खेलने के हकदार: वाट

स्कॉटलैंड के स्पिन गेंदबाज मार्क वाट ने कहा कि वह बांग्लादेश खिलाड़ियों के लिए सहानुभूति रखते हैं लेकिन आखिरी समय में टूर्नामेंट में शामिल की गई स्कॉटलैंड टीम अपनी जगह की पूरी हकदार थी। बाएं हाथ के गेंदबाज ने कहा, हमें बांग्लादेश के खिलाड़ियों के लिए बहुत दुख है लेकिन हमें पूरा विश्वास है कि हमें यहां होना चाहिए। हमें लगता है कि हम अपने से ऊंची रैंक वाली टीमों को भी हरा सकते हैं। इस टूर्नामेंट में हमारे शामिल होने को लेकर कोई संदेह नहीं है। हम पूरी तरह तैयार हैं।

बाहरी आवाजों पर ध्यान नहीं देंगे : आगा

पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा ने कहा कि भारत के खिलाफ मैच के बहिष्कार से जुड़ी बाहरी आवाजों पर ध्यान नहीं देकर उनकी टीम ग्रुप चरण के सारे मैच जीतकर सुपर आठ में जगह बनाने की कोशिश करेगी। यह पूछने पर कि वह हालात से कैसे निपटेंगे, सलमान ने कहा, उस पर ध्यान नहीं देकर। हम एक टीम के रूप में उस पर बात नहीं करते और टीम से बाहर हो रही चीजों को नहीं देखते। हम यही कर सकते हैं। हम इस पर ध्यान नहीं देकर अपने प्रदर्शन पर फोकस करेंगे। हम आहत महसूस नहीं करते लेकिन खेल के लिए यह अच्छा नहीं है। ऐसी चीजें नहीं होनी चाहिए। बचपन से मैंने यही देखा है कि लोग यही प्रयास करते हैं कि खेल को कैसे बेहतर बनाया जाए। हम कुछ हद तक रोलमॉडल हैं। अगर आप ऐसा करेंगे तो कल को बच्चे भी यही करेंगे। इसलिए मुझे लगता है कि ये चीजें नहीं होनी चाहिए।

न्यूज़ ब्रीफ

राणा और हेजलवुड विश्व कप से बाहर

मुंबई। भारत के युवा तेज गेंदबाज हर्षित राणा घुटने की चोट के कारण शुक्रवार को विश्व कप से बाहर हो गए। सूत्रों के अनुसार उनकी जगह मोहम्मद सिराज को टीम में शामिल किया गया है। राणा को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अभ्यास मैच में यह चोट लगी थी। कप्तान सूर्यकुमार ने इससे पहले स्वीकार किया था कि उनकी स्थिति अच्छी नहीं लग रही। बीसीसीआई के विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार राणा की जगह टीम में साथी तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को शामिल किया गया है। सूर्य की बातों से पहले ही लगा कि मुख्य कोच गौतम गंभीर के पसंदीदा खिलाड़ियों में शामिल इस गेंदबाज के लिए समय पर ठीक होना मुश्किल है। उन्होंने पत्रकारों से कहा, राणा को अभी बाहर नहीं किया गया है, हमारे फिजियो उनका आकलन कर रहे हैं, लेकिन उनके चोट की स्थिति अच्छी नहीं लग रही है। चिंता की बात नहीं है, हमारे पास 11 खिलाड़ी हैं। यह हालांकि निश्चित रूप से एक बड़ा झटका होगा क्योंकि 15 खिलाड़ियों की टीम बहुत सोच-विचार के बाद बनाई जाती है। उसे भी काफी सोच-विचार के बाद ही शामिल किया गया था।

ऑस्ट्रेलिया को झटका, हेजलवुड नहीं खेल पाएंगे

मेलबर्न, एजेंसी। अपने प्रमुख खिलाड़ियों की फिटनेस समस्याओं से जूझ रही ऑस्ट्रेलियाई टीम को एक और करारा झटका लगा है। उसके स्टार तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड हैमस्ट्रिंग चोट से समय पर उबर नहीं पाने के कारण विश्व कप से बाहर हो गए हैं। ऑस्ट्रेलिया उनके विकल्प की घोषणा नहीं करेगा। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने पहले कहा था कि हेजलवुड टूर्नामेंट के बीच में या आखिर में टीम से जुड़ेंगे। चयनकर्ता टोनी डोडेमेड ने कहा, हमें उम्मीद थी कि जोश सुपर आठ चरण तक फिट हो जाएंगे लेकिन ताजा संकेत मिले हैं कि उसे फिट होने में समय लगेगा। जल्दबाजी करना जोखिमभरा हो सकता है। टीम अपने अभियान का आगाज 11 फरवरी को आयरलैंड के खिलाफ पल्लेकेले में करेगी।

क्वार्टर फाइनल में चीन से हारी भारतीय महिला टीम

किंगदाओ। पिछली चैम्पियन भारतीय महिला टीम बैडमिंटन एशिया टीम चैम्पियनशिप के क्वार्टर फाइनल में शुक्रवार को दूसरे दर्जे की चीन की टीम से 0- 3 से हारकर बाहर हो गई। भारतीय पुरूष टीम क्वार्टर फाइनल में दक्षिण कोरिया से खेलेगी। भारत ने 2024 में इस टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचा था लेकिन इस बार पी वी सिंधू के नहीं खेलने से भारत की संभावनाओं को धक्का लगा। टूर्नामेंट में इससे पहले दो मैच जीत चुकी दुनिया की 42वें नंबर की खिलाड़ी तन्वी शर्मा दसवीं रैंकिंग वाली गाओ फांग जि से एकतरफा मुकाबले में 9-21, 9-21 से हार गई।

बॉलीवुड

बेटे पर लगे आरोपों पर सुनील शेट्टी की सफाई

बॉलीवुड अभिनेता सुनील शेट्टी ने उन खबरों का सख्ती से खंडन किया है, जिनमें दावा किया जा रहा था कि फिल्म 'सनकी' को उनके बेटे अहान शेट्टी के भारी स्टाफ खर्चों की वजह से रोक दिया गया है। 2024 में आई कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया था कि नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट की इस फिल्म की शूटिंग इसलिए स्थगित कर दी गई क्योंकि अहान के सपोर्टिंग स्टाफ पर जरूरत से ज्यादा खर्च हो रहा था। अब सुनील शेट्टी ने इन दावों को पूरी तरह बेबुनियाद बताया है।

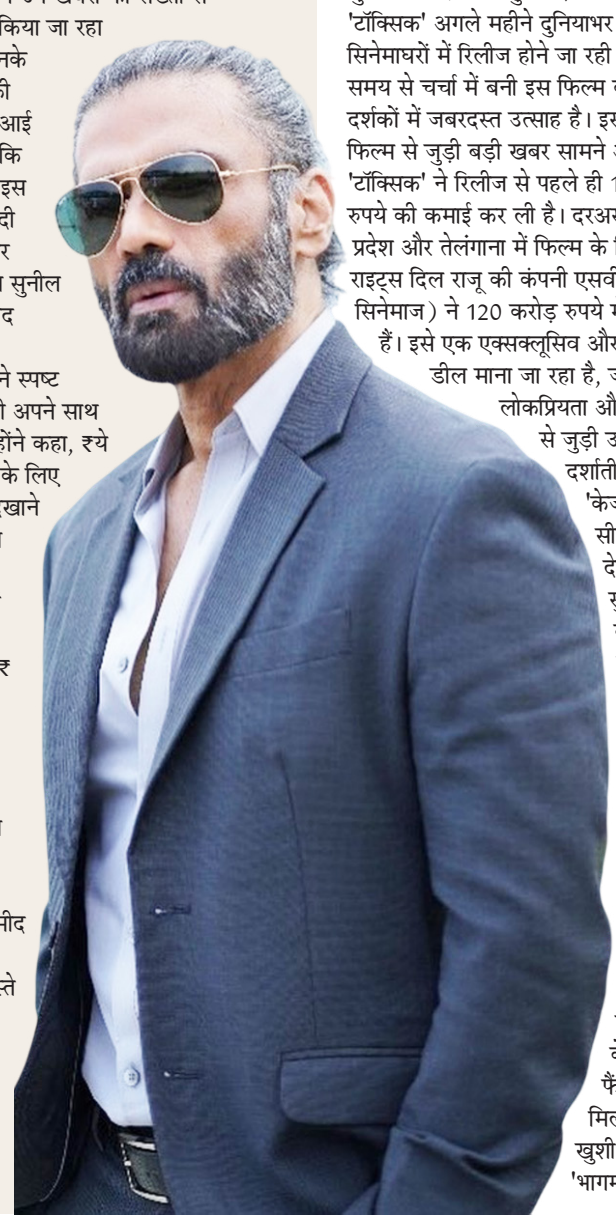

हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में सुनील ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि उनके बेटे ने कभी भी अपने साथ अनावश्यक बड़ा स्टाफ नहीं रखा। उन्होंने कहा, ₹ये सब अफवाहें हैं, जो किसी की सुविधा के लिए फैलाई गईं। अगर कोई निर्माता बिल दिखाने की बात करता है, तो मैं खुद देखने को तैयार हूं। वहां एक पिता का दखल था और आगे भी रहेगा। अपनी कमजोरियों को छिपाने के लिए झूठ मत फैलाओ, क्योंकि यह अहान के साथ अन्याय है।₹ सुनील के इस बयान से साफ है कि वे अपने बेटे के समर्थन में मजबूती से खड़े हैं।

रिपोर्ट्स के अनुसार, 'सनकी' के लिए निर्माता साजिद नाडियाडवाला ने प्राइम वीडियो के साथ एक बड़ा डिजिटल समझौता किया था। हालांकि बाद में सैटेलाइट और डिजिटल राइट्स से उम्मीद के मुताबिक लाभ न मिलने की चर्चा रही, जिसके चलते प्रोजेक्ट को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। इसी बीच स्टाफ खर्चों को लेकर भी तरह-तरह की बातें सामने आईं, जिन्हें अब सुनील शेट्टी ने खारिज कर दिया है। फिलहाल अहान शेट्टी अपनी हालिया रिलीज 'बॉर्डर 2' की सफलता को लेकर सुर्खियों में हैं।

यश की 'टॉक्सिक' का जलवा रिलीज से पहले ही 120 करोड़

सुपरस्टार यश की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'टॉक्सिक' अगले महीने दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। लंबे समय से चर्चा में बनी इस फिल्म को लेकर दर्शकों में जबरदस्त उत्साह है। इसी बीच फिल्म से जुड़ी बड़ी खबर सामने आई है। 'टॉक्सिक' ने रिलीज से पहले ही 120 करोड़ रुपये की कमाई कर ली है। दरअसल, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में फिल्म के थिएट्रिकल राइट्स दिल राजू की कंपनी एसवीसी (एसवी सिनेमाज) ने 120 करोड़ रुपये में खरीदे हैं। इसे एक एक्सक्लूसिव और बड़ी डील माना जा रहा है, जो यश की लोकप्रियता और फिल्म से जुड़ी उम्मीदों को दर्शाती है।

'केजीएफ' सीरीज से देशभर में सुपरस्टार बने यश इस फिल्म में मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। 'टॉक्सिक' एक पीरियड गैंगस्टर ड्रामा है, जिसका निर्देशन गीतू मोहनदास कर रही हैं। फिल्म में कियारा आडवाणी, नयनतारा, हुमा कुरैशी और तारा सुतारिया जैसे बड़े सितारे भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह एक पैन-इंडिया प्रोजेक्ट है, जो कन्नड़ के साथ अन्य भाषाओं में भी रिलीज होगी। साउथ भारत के अहम एपी-टीजी मार्केट में इतनी बड़ी डील को ट्रेड एक्सपर्ट्स यश की मजबूत स्टार पावर और डिस्ट्रीब्यूटर्स के भरोसे का संकेत मान रहे हैं। फिल्म का टीजर पहले ही दर्शकों से शानदार प्रतिक्रिया हासिल कर चुका है। मार्च 2026 में रिलीज होने वाली 'टॉक्सिक' का क्लैश रणवीर सिंह की 'धुरंधर 2' से हो सकता है।

'नागबंधम' में ऋषभ साहनी बनेंगे अब्दाली, पहला पोस्टर आया सामने

निर्देशक अभिषेक नामा की मोस्ट अवेटेड माइथोलॉजिकल एक्शन ड्रामा 'नागबंधम' इस समर ग्रैंड पैन-इंडिया रिलीज़ के लिए तैयार है। फिल्म में वीरत कर्णा लीड रोल में नजर आएंगे। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर 15 तारीख को फिल्म का टीज़र रिलीज किया जाएगा। टीज़र से पहले मेकर्स ने कहानी के एक अहम किरदार का फर्स्ट लुक जारी कर दिया है, जिसने दर्शकों की उत्सुकता और बढ़ा दी है।

फाइटर से पहचान बना चुके अभिनेता ऋषभ साहनी इस फिल्म में कुख्यात अफगान शासक अहमद शाह अब्दाली के किरदार में दिखाई देंगे। कहानी 1750 के दौर की पृष्ठभूमि पर आधारित है और भारत पर अब्दाली के हमलों, मंदिरों की लूट और उसकी क्रूर महत्वाकांक्षा को दर्शाती है। जारी किए गए फर्स्ट-लुक पोस्टर में बर्फ से ढके युद्धक्षेत्र के बीच ऋषभ हाथ में खून से सना विशाल युद्ध-कुल्हाड़ा लिए नजर आते हैं। पीछे बढ़ती विशाल सेना, लहराते हरे झंडे, तीरंदाज, युद्ध हाथी और चमकती आंखों वाले भेड़ियों का झुंड इस दृश्य को और भी भयावह और भव्य बनाता है।

फिल्म में अब्दाली को एक निर्दयी और महत्वाकांक्षी शासक के रूप में दिखाया गया है, जो हिमालय में छिपे रहस्यमयी नाग बंधम को पाने के लिए किसी भी हद तक जा सकता है। निर्देशक अभिषेक नामा ने ऋषभ साहनी की परफॉर्मेंस की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने इस जटिल किरदार में जान डाल दी है। वहीं ऋषभ ने भी इसे अपने करियर की चुनौतीपूर्ण भूमिकाओं में से एक बताया। फिल्म में नाभा नतेश और ऐश्वर्या मेनन फीमेल लीड में हैं, जबकि जगपति बाबू, जयप्रकाश, मुरली शर्मा और बीएस अविनाश जैसे अनुभवी कलाकार महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे।

'भागम भाग 2' में नहीं दिखेंगे गोविंदा

बॉलीवुड के 'हीरो नंबर 1' गोविंदा की बड़े पर्दे पर वापसी का इंतजार लंबे समय से किया जा रहा है। इसी बीच जब अक्षय कुमार की सुपरहिट कॉमेडी फिल्म 'भागम भाग' (2006) के सीक्वल की खबर सामने आई, तो फैंस में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला लेकिन अब ताजा रिपोर्ट्स ने इस खुशी पर पानी फेर दिया है। खबर है कि 'भागम भाग 2' की कास्टिंग में बड़ा बदलाव किया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म में अक्षय कुमार और परेश रावल तो वापसी करेंगे, लेकिन गोविंदा इस बार सीक्वल का हिस्सा नहीं होंगे। उनकी जगह कथित तौर पर मनोज बाजपेयी को कास्ट किया गया है। बताया जा रहा है कि फिल्म की कहानी एक बार फिर गलत पहचान, हास्यास्पद उलझनों और बढ़ती अराजक परिस्थितियों के इर्द-गिर्द घूमेगी, जिससे मनोरंजन का स्तर और ऊंचा करने की तैयारी है। फिल्म की शूटिंग अगले महीने से मुंबई में शुरू होने की चर्चा है।

प्रधानमंत्री का परीक्षा पे चर्चा

सिर्फ अंक पर नहीं, जिंदगी को बेहतर बनाने पर ध्यान दें : प्रधानमंत्री

एजेंसी । नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को छात्रों के साथ 'परीक्षा पे चर्चा' के नौवें संस्करण में संवाद किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि परीक्षाओं को डर या बोझ के रूप में नहीं, बल्कि एक उत्सव की तरह देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब हम किसी चीज को सेलिब्रेट करते हैं, तो तनाव अपने आप कम हो जाता है। पीएम ने छात्रों को 'एग्जाम वॉरियर' बनने की सलाह दी, न कि रट्टू तोता। उनका संदेश स्पष्ट था कि परीक्षा केवल एक पड़ाव है, पूरी जिंदगी नहीं। पीएम मोदी ने अंकों के पीछे भागने की प्रवृत्ति पर सवाल उठाया। उन्होंने छात्रों से पूछा कि क्या उन्हें पिछले साल के टॉपर का नाम याद है? जवाब 'ना' में मिलने पर उन्होंने समझाया कि अंकों की प्रशंसा कुछ ही समय के लिए होती है, लेकिन असल पहचान इस बात से बनती है कि आप जीवन में कहाँ पहुँचे हैं। उन्होंने जोर दिया कि केवल अंक आपकी योग्यता का पैमाना नहीं हो सकते।

'कम्फर्ट ज़ोन से बाहर निकलें'

छात्रों को प्रेरित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि 'कंफर्ट ज़ोन' में रहकर कभी जिंदगी नहीं बनाई जा सकती। जीवन जीने का तरीका और चुनौतियाँ ही इंसान को गढ़ती हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि पढ़ाई को टुकड़ों में करने के बजाय उसमें पूरी भागीदारी सुनिश्चित करें। साथ ही, उन्होंने यह भी कहा कि दूसरों की सलाह जरूर सुनें, लेकिन अपनी जीवनशैली और पढ़ाई का तरीका वही रखें जो आपको सही लगे।

कौशल और ज्ञान के बीच संतुलन

जब एक छात्र ने स्किल (कौशल) और मार्क्स के महत्व पर सवाल किया, तो पीएम ने मुस्कुराते हुए संतुलन का मंत्र दिया। उन्होंने कहा कि जीवन में गिरने से बचने के लिए संतुलन जरूरी है। स्किल दो तरह की होती हैं—लाइफ स्किल और प्रोफेशनल स्किल, लेकिन इन दोनों का आधार 'ज्ञान' ही है। उन्होंने शिक्षकों से भी अपील की कि उन्हें छात्रों की सीखने की गति से एक कदम आगे रहना चाहिए।

दृढ़ इच्छाशक्ति और टैलेंट की जीत

पीएम मोदी ने छोटे गांवों से निकल रहे टैलेंट की सराहना की और ब्लाइंड क्रिकेट टीम की लड़कियों का उदाहरण दिया। उनकी जीत और संघर्ष की कहानी सुनाते हुए प्रधानमंत्री भावुक हो गए। उन्होंने संदेश दिया कि चुनौतियां ही जीवन को सुंदर बनाती हैं। उन्होंने अंत में कुछ महत्वपूर्ण सूत्र दिए : खुद से प्रतियोगिता करो, मुश्किल काम को पहले निपटाओ और हमेशा आत्मविश्वास से भरे रहो।

सोशल मीडिया और समय का प्रबंधन

आज के डिजिटल युग में पीएम ने युवाओं को चेताया कि वे अपना कीमती समय सोशल मीडिया पर बर्बाद न करें। उन्होंने कहा कि इंटरनेट भले ही सस्ता हो गया है, लेकिन समय बहुत महंगा है। तकनीक का इस्तेमाल सीखने और बढ़ने के लिए होना चाहिए, न कि घंटों फालतू स्क्रॉलिंग के लिए। उन्होंने छात्रों से कर्म प्रधान बनने और सपनों को हकीकत में बदलने के लिए मेहनत करने को कहा।

'25 साल अभी बाकी हैं'

संवाद के दौरान पीएम मोदी ने अपने 75वें जन्मदिन का एक दिलचस्प किस्सा सुनाया। उन्होंने बताया कि एक नेता ने उन्हें फोन कर 75 साल पूरे होने की बधाई दी, जिस पर पीएम ने जवाब दिया— 'अभी 25 साल बाकी हैं।' उन्होंने छात्रों को सिखाया कि कभी बीते हुए समय को मत गिनो, बल्कि जो बचा है उस पर ध्यान केंद्रित करो। यह सकारात्मक नजरिया जीवन में हमेशा ऊर्जा बनाए रखता है।

सागर धनखड़ हत्या मामला

सुशील कुमार को झटका, नहीं मिली जमानत

एजेंसी । नई दिल्ली

दिल्ली की एक अदालत ने पहलवान सागर धनखड़ की हत्या के मामले में ओलंपियन सुशील कुमार की जमानत याचिका खारिज कर दी है। सुशील कुमार पर मई 2021 में संपत्ति विवाद के चलते सागर धनखड़ और उनके साथियों पर जानलेवा हमला करने का आरोप है, जिसमें गंभीर चोटों के कारण सागर की मौत हो गई थी। अदालत ने सुशील कुमार के खिलाफ हत्या, आपराधिक साजिश और दंगा जैसी गंभीर धाराओं में आरोप तय किए हैं।

आरोपों की गंभीरता और गवाहों पर असर की आशंका

लाइव लॉ की रिपोर्ट के अनुसार, रोहिणी कोर्ट के एडिशनल सेशंस जज ने आरोपों की गंभीरता और इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए जमानत याचिका खारिज कर दी कि अगस्त 2023 में सुप्रीम कोर्ट ने भी सुशील कुमार की जमानत रद्द कर दी थी। अदालत ने कहा कि आरोपी की गिरफ्तारी से पहले के बर्ताव, घटना के वीडियो साक्ष्य और उसकी रिहाई से समाज पर पड़ने वाले असर को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

बड़ी संख्या में कौवों की मौत, हाईअलर्ट

चेन्नई। तमिलनाडु के विभिन्न इलाकों में बड़ी संख्या में कौवों की मौत की खबरों के बाद राज्य सरकार ने शुक्रवार को हाईअलर्ट जारी किया है। इस घटना से एवियन इन्फ्लुएंजा (बर्ड फ्लू) के संभावित प्रकोप को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। पशुपालन, डेयरी और मत्स्य पालन विभाग ने त्वरित कदम उठाते हुए कुक्कुट पालकों और जंगली पक्षियों से जुड़े लोगों के लिए कड़े एहतियाती उपाय अनिवार्य कर दिए हैं और इस संबंध में विस्तृत परामर्श जारी किया गया है। जन स्वास्थ्य और रोग रोकथाम निदेशालय (डीपीएच) के निदेशक डॉ. ए. सोमसुंदरम ने बताया कि केंद्र सरकार के परिपत्र के आधार पर यह परामर्श जारी किया गया है। डीपीएच ने आम जनता से सख्त सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करने की अपील की है। साथ ही कहा गया है कि यदि किसी को खांसी, जुकाम, बुखार या सांस लेने में दिक्कत जैसे फ्लू के लक्षण दिखाई दें, तो बिना देरी किए तुरंत चिकित्सकीय सहायता ली जाए।

बर्ड फ्लू के संभावित प्रकोप को लेकर चिंताएं बढ़ीं

नाबालिग को मां बनने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता : सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी । नई दिल्ली/मुंबई

सुप्रीम कोर्ट ने एक ऐतिहासिक फैसले में स्पष्ट किया है कि किसी भी महिला, विशेषकर नाबालिग को उसकी इच्छा के विरुद्ध मां बनने के लिए विवश नहीं किया जा सकता। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस उज्जल भुइयां की पीठ ने 17 वर्षीय पीड़िता को 30 सप्ताह के गर्भ को समाप्त करने की अनुमति देते हुए कहा कि प्रजनन स्वायत्तता एक महत्वपूर्ण अधिकार है। अदालत ने जोर दिया कि यदि गर्भवती लड़की गर्भावस्था जारी नहीं रखना चाहती, तो उसके निर्णय को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। सुनवाई के दौरान पीठ ने टिप्पणी की कि इस मामले में यह गौण है कि रिश्ता सहमति से था या यौन उत्पीड़न का परिणाम। मुख्य मुद्दा यह है कि पीड़िता स्वयं एक नाबालिग है और वह इस अनचाहे गर्भ को ढोने के लिए मानसिक रूप से तैयार नहीं है। अदालत ने मेडिकल बोर्ड की उस रिपोर्ट को भी संज्ञान में लिया जिसमें कहा गया था कि प्रसव से जान का खतरा नहीं है, फिर भी कोर्ट ने माना कि मां की अनिच्छा को नजरअंदाज करना उसकी गरिमा और अधिकारों का उल्लंघन होगा।

सुको ने 30 हफ्ते के गर्भ को हटाने की दी अनुमति

सरकार की दलील और नैतिकता का प्रश्न

महाराष्ट्र सरकार की ओर से दलील दी गई थी कि 30 सप्ताह का भ्रूण अब पूरी तरह विकसित है और जन्म के बाद जीवित रह सकता है। सुझाव दिया गया कि बच्चे को जन्म देकर अनाथालय को सौंपा जा सकता है। हालांकि, जस्टिस नागरत्ना ने इसे खारिज करते हुए कहा कि यदि कानून और अदालतें ऐसे मामलों में लचीला रुख नहीं अपनातीं, तो लोग मजबूरन असुरक्षित और अवैध रास्तों (झोलाछाप डॉक्टरों) की शरण लेंगे, जो उनके स्वास्थ्य के लिए और भी घातक होगा।

जेजे अस्पताल को गर्भपात का आदेश

सुप्रीम कोर्ट ने मुंबई के जेजे अस्पताल को डॉक्टरों की विशेषज्ञ देखरेख में तुरंत गर्भपात प्रक्रिया शुरू करने का निर्देश दिया है। अदालत ने कानून के समयबद्ध प्रतिबंधों पर सवाल उठाते हुए कहा कि यदि 24 सप्ताह में गर्भपात संभव है, तो विशेष परिस्थितियों में 30 सप्ताह में क्यों नहीं? पीठ ने स्वीकार किया कि एक जीवन को समाप्त करने का निर्णय उनके लिए भी कठिन है, लेकिन किसी लड़की को उसकी मर्जी के बिना जीवन भर के लिए मातृत्व थोपना न्यायसंगत नहीं है।

न्यूज ब्रीफ

ममता राज में मदरसों का बजट 12 गुना बढ़ा

कोलकाता। ममता बनर्जी सरकार ने पश्चिम बंगाल में मदरसा शिक्षा के लिए 5713 करोड़ रुपये का बजट निर्धारित किया है। टीएमसी के पश्चिम बंगाल में सत्ता में आने के समय यह बजट करीब 472 करोड़ रुपये था जो अब लगभग 12 गुना बढ़ चुका है। भाजपा ने आरोप लगाया है कि ममता बनर्जी सरकार चुनाव में अल्पसंख्यक वोटों के लिए मुस्लिमों का तुष्टिकरण कर रही है। पार्टी ने पूछा है कि ममता बनर्जी को बताना चाहिए कि मदरसों के बजट में इतना भारी वृद्धि किस कारण की गई है। भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि ममता बनर्जी सरकार मदरसा शिक्षकों के नाम पर मस्जिद में अजान देने वाले मुअज्जिनों का वेतन बढ़ाकर मुसलमानों का समर्थन हासिल करना चाहती है।

हमार विधायकों के खिलाफ प्रदर्शन

इंफाल/चुराचांदपुर। मणिपुर के तीन पहाड़ी जिलों में शुक्रवार को हजारों लोगों ने रैलियां निकाली। इन लोगों ने राज्य में बनी नई सरकार में कुकी-जो-हमार समुदाय के विधायकों की भागीदारी का विरोध किया। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि इन विधायकों ने अपने समुदाय के साथ विश्वासघात किया है। चुराचांदपुर में कुकी विधायक नेमचा किपगेन का पुतला जलाया गया। नेमचा किपगेन नई सरकार में उपमुख्यमंत्री बनी हैं। इसके अलावा, दो अन्य विधायकों एलएम खौते और एन सानाते के भी पुतले जलाए गए। ये दोनों जो और हमार समुदाय से आते हैं। तीनों सत्तारूढ़ भाजपा के विधायक हैं। कांगपोकपी और तेंगनोउपल जिलों में भी विरोध रैलियां निकाली गईं। चुराचांदपुर में रैली कुकी महिला मानवाधिकार संगठन और स्वदेशी जनजातीय नेता मंच की महिला शाखा ने मिलकर आयोजित की।

एक करोड़ रुपये के इनामी माओवादियों ने किया सरेंडर

एजेंसी । रायगड़ा

ओडिशा में माओवादियों के एक गुट ने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण किया है। इसमें एक दंपत्ति और 17 अन्य माओवादी शामिल हैं। पुलिस महानिदेशक वाई. बी. खुराना के अनुसार, निरंजन राउत उर्फ निखिल और उनकी पत्नी रश्मिरा लेंका उर्फ इंदु पर कुल 55.10 लाख रुपये का इनाम था। दोनों माओवादी संगठन की राज्य समिति के सदस्य थे, जो केंद्रीय समिति के बाद दूसरा सबसे बड़ा पद माना जाता है। इससे पहले दंपत्ति ने ओडिशा सरकार को पत्र लिखकर सरेंडर की इच्छा जताई थी। प्रेस कॉन्फ्रेंस में डीजीपी खुराना ने बताया कि राउत, लेंका और 13 अन्य माओवादियों ने रायगड़ा के पुलिस अधीक्षक के सामने सरेंडर किया, जबकि चार अन्य सदस्यों ने कंधमाल जिले में हिंसा का रास्ता छोड़ा। सरेंडर करने वालों ने पुलिस को हथियार और गोला-बारूद भी सौंपे हैं। खुराना ने कहा कि राज्य में अब माओवादियों की संख्या बेहद कम रह गई है।

एक दंपत्ति और 17 अन्य विद्रोही शामिल

यूपी में प्रशासनिक फेरबदल

हेमराज मीना समेत पांच वरिष्ठ आईपीएस अफसरों का तबादला

एजेंसी । लखनऊ

यूपी में एक बार फिर पुलिस महकमे में बड़ा फेरबदल किया गया है। योगी सरकार ने शुक्रवार की शाम को पांच वरिष्ठ आईपीएस अफसरों का तबादला कर दिया है। अफसरों के तबादला लिस्ट भी जारी कर दी गई है। तबादला सूची के अनुसार, लखनऊ भ्रष्टाचार निवारण संगठन डीआईजी रहे अखिलेश कुमार चौरसिया को मुख्यालय पुलिस महानिदेशक स्थापना में पुलिस उपमहानिरीक्षक, लखनऊ में एसटीएफ एसएसपी रहे घुले सुशील चंद्रभान को एसटीएफ डीआईजी, नोएडा पुलिस उपायुक्त रहे यमुना प्रसाद को डीआईजी पीटीएस मुरादाबाद, डीजीपी कार्यालय से संबंद्ध रहे डीआईजी हेमराज मीना को यूपी एसआईएफएस में पुलिस उपमहानिरीक्षक, मेरठ पीएसी में सेनानायक रहे सचिंद्र पटेल को लखनऊ में भ्रष्टाचार निवारण संगठन में पुलिस उपमहानिरीक्षक बनाया गया है।

24 आईपीएस अफसरों का हुआ था तबादला

शासन ने दो दिन पहले भी तबादला एक्सप्रेस चलाई थी। इस दौरान 11 जिलों के पुलिस कप्तान समेत 24 आईपीएस अफसरों के तबादला किए गए थे। बदले गए पुलिस अधीक्षकों में जौनपुर, खीरी, बस्ती, सुलतानपुर, सहारनपुर, गोरखपुर, मेरठ, मिर्जापुर, रायबरेली, पीलीभीत और अमेठी के एसपी शामिल थे। डीजीपी मुख्यालय के मुताबिक़ सुल्तानपुर के एसपी कुंवर अनुपम सिंह को जौनपुर का एसएसपी, गाजियाबाद 47 वीं वाहिनी पीएसी की सेनानायक चारू निगम को सुलतानपुर, जौनपुर के एसपी डॉ. कौस्तुभ को गोरखपुर, एसएसएफ पहली वाहिनी के सेनानायक अविनाश पांडेय को मेरठ,सीतापुर 11 वीं वाहिनी पीएसी के सेनानायक रवि कुमार को रायबरेली, अभिसूचना आगरा के एसपी सुकीर्ति माधव को अमेठी का एसपी बनाया गया है।

प्रवीण बने लखनऊ जोन के एडीजी

अयोध्या के आईजी रहे प्रवीण कुमार को प्रोन्नति मिलने के बाद लखनऊ जोन का एडीजी बनाया गया है। इसी तरह एडीजी पद से हाल ही में प्रोन्नत हुए सुजीत पांडेय को अग्निशमन एवं आपात सेवाओं का डीजी बनाया गया है। वह अभी तक एडीजी जोन लखनऊ के पद पर तैनात थे। ईओडब्ल्यू के आईजी केएस इमैन्युअल को डीजीपी का जीएसओ, कानपुर नगर के संयुक्त पुलिस आयुक्त विनोद कुमार सिंह को भीमराव अकादमी मुरादाबाद का आईजी, गाजियाबाद के अपर पुलिस आयुक्त आलोक प्रियदर्शी को वाराणसी का अपर पुलिस आयुक्त, गोरखपुर के एसएसपी राजकरन नैय्यर को प्रोन्नत होने पर गाजियाबाद का अपर पुलिस आयुक्त बनाया गया है।

जुमे की नमाज के दौरान शिया मस्जिद में धमाका

एजेंसी । इस्लामाबाद

पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद की एक मस्जिद में आत्मघाती हमला किया गया। शुक्रवार को जुमे की नमाज के दौरान तरलाई इलाके की इमाम बारगाह खदीजत-उल-कुबरा में जोरदार धमाका हुआ। इस विस्फोट में कई लोगों के हताहत होने की खबर है। ब्लास्ट के बाद पूरे शहर में इमरजेंसी लगा दी गई है। पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, फितना अल-ख्वारिज से जुड़े हमलावर ने गेट पर रोके जाने के बाद खुद को उड़ा लिया था। जहां यह धमाका हुआ है वो शिया मस्जिद है। इस धमाके में 31 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 169 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। घटना के बाद पूरे इलाके को सुरक्षा बलों ने घेर लिया है। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक यह धमाका एक सुसाइड बॉम्बिंग यानी आत्मघाती हमला था। यह हमला ऐसे वक्त हुआ है, जब उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शौकत मिर्जियोयेव की दो दिन की आधिकारिक यात्रा पर हैं। इस्लामाबाद कैपिटल टेरिटरी पुलिस के प्रवक्ता तकी जवाद ने कहा कि धमाके की प्रकृति का पता लगाना अभी जल्दबाजी होगी और फोरेंसिक टीमों को यह तय करना होगा कि यह आत्मघाती हमला था या प्लांट किया गया बम।

जान बचाकर भागने लगे लोग

धमाके के बाद पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। लोग अपनी जान बचाते हुए इधर-उधर भागते दिखे। सूचना मिलते ही फौरन पुलिस और रेस्क्यू टीमें पहुंची और राहत व बचाव कार्य में जुट गए। घटना से जुड़े कई वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आई है, जिसमें लोग इमाम बारगाह की जमीन पर बेसुध पड़े हैं। वहीं कुछ लोग एक दूसरे की मदद करते दिखाई दिए।

अस्पतालों में भी लगाई इमरजेंसी

सुरक्षा एजेंसियों ने इमाम बारगाह और आसपास के पूरे इलाके की घेराबंदी करते हुए कड़ी निगरानी रखी जा रही है। राजधानी के पॉलीक्लिनिक, पाकिस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (पीआईएमस), और सीडीए अस्पताल में इमरजेंसी लगा दी गई है। पीआईएमस के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर (ईडी) के निर्देश पर अस्पताल में इमरजेंसी लागू कर दी गई है। एक प्रवक्ता ने बताया कि मुख्य इमरजेंसी, ऑर्थोपेडिक, बर्न सेंटर और न्यूरोलॉजी डिपार्टमेंट को एक्टिव कर दिया गया है।

बजट सत्र

बीते 10 वर्षों में रेलवे की वित्तीय स्थिति सुधरी, बचत की स्थिति में आई रेल

रेलवे को यात्री किराये में सालाना 60 हजार करोड़ का घाटा : अश्विनी वैष्णव

एजेंसी । नई दिल्ली

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने राज्यसभा में स्पष्ट किया है कि भारतीय रेलवे यात्री सेवाओं पर भारी सब्सिडी दे रही है। भाजपा नेता डॉ. लक्ष्मीकांत बाजपेयी द्वारा वरिष्ठ नागरिकों को किराये में रियायत बहाल करने के संबंध में पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए रेल मंत्री ने बताया कि रेलवे को यात्री किराये मद में सालाना 60 हजार करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा है। उन्होंने कहा कि रेलवे को यात्री सेवाओं पर होने वाले प्रत्येक 100 रुपये के खर्च के बदले किराये से मात्र 55 रुपये ही प्राप्त होते हैं। इस प्रकार, सरकार पहले से ही सभी श्रेणी के यात्रियों को किराये में औसतन 45 प्रतिशत की छूट प्रदान कर रही है।

विद्युतीकरण और माल ढुलाई से वित्तीय स्थिति में सुधार

रेल मंत्री ने रेलवे की बचत का मुख्य श्रेय प्रधानमंत्री के विद्युतीकरण के दूरदर्शी फैसले और माल ढुलाई में हुई वृद्धि को दिया। उन्होंने बताया कि रेलवे लाइनों के विद्युतीकरण से ऊर्जा खर्च में सालाना करीब 5,500 करोड़ रुपये की बचत हुई है। ईंधन का खर्च 37,841 करोड़ रुपये से घटकर अब 32,400 करोड़ रुपये रह गया है। इसके अलावा, माल ढुलाई में 40 करोड़ टन की अतिरिक्त वृद्धि दर्ज की गई है। विद्युतीकरण से न केवल आयातित डीजल पर निर्भरता कम हुई है।

वरिष्ठ नागरिकों की रियायत पर सीधा जवाब टला

वरिष्ठ नागरिकों की रियायतें बहाल करने के सवाल पर रेल मंत्री ने कोई सीधा आश्वासन नहीं दिया, बल्कि रेलवे के वित्तीय स्वास्थ्य और परिचालन सुधारों पर जोर दिया। उन्होंने सदन को बताया कि पिछले दस वर्षों में परिचालन लागत में कमी और राजस्व में बढ़ोतरी के कारण रेलवे अब अपने खर्च स्वयं वहन करने के साथ थोड़ी बचत की स्थिति में पहुँच गई है। रेल मंत्री ने कहा कि वर्तमान में जनता को पड़ोसी देशों की तुलना में कम किराये में 'वंदे भारत' और 'अमृत भारत' जैसी अत्याधुनिक और सुविधाजनक ट्रेनें उपलब्ध कराई जा रही हैं।